वचन के कारण निंदा को लेना

धन्यवाद, भाई नेविल। [भाई नेविल कहते हैं, "आमीन।"—सम्पा।]

मैंने भाई नेविल से कहा, "आपको यकीन है कि आज सुबह के लिए आपके पास थोड़ा भी अभिषेक नहीं है? "

2 मैं यहाँ बीमारों के लिए प्रार्थना करने के लिए आया। हम कुछ लोग इकट्ठे हुए थे... रविवार की प्रात:। जिन्हें मुझे वहां मिलना है, मैने उन्हें अभी देखा कि वे कलीसिया में आये है। और मैं—मैं हमेशा ही सोचता हूं कि यहाँ कलीसिया पर बीमारों के लिए प्रार्थना करना बेहतर है। मुझे नहीं पता। मै कलीसिया को पसंद करता हूं, और मैं यहाँ पर आया, जहां सभा के लोग यहां प्रार्थना कर रहे थे।

3 और वहां पीछे एक छोटी सी लड़की थी, वो बहुत ही प्यारी छोटी सी लड़की थी, क्योंकि, मुझे लगता है कि अब भी वो यहीं कहीं पर बैठी हुई हैं, यदि लोग घर नहीं गए है तो। ओह, अब मैं देखता हूँ। और वो रही सबसे प्यारी सी लड़की। और वह बहुत ही बीमार है। और जब हम संदेश को सुन रहे थे और हम अन्यभाषा मे सन्देश के अनुवाद के होते हुए सुन रहे थे। और हम सुन रहे थे, और हमने सोचा हम समझते है कि उस एक छोटी लड़की के बारे में कुछ तो कहा गया था। और हम यह देखने के लिए रुके हुए थे कि क्या प्रभु ने एक संदेश को दिया है, वहां पर क्या कहा जाना है। लेकिन मुझे लगता है कि छोटी लड़की अभी ठीक है, और चंगाई पाने जा रही है। इसलिए...

4 और वहां एक महिला भी थी जिसने उसकी दृष्टि खो दिया था, और हम उसके लिए प्रार्थना कर रहे थे। और वहां एक एम्बुलेंस में कोई व्यक्ति था, जो एक सेवक था। मैं नहीं सोचता कि उस व्यक्ति का पच्चीस, या चालीस पाउंड वजन होगा। बस—बहुत, बहुत... और सो मैं उनके लिए प्रार्थना करने के लिए नीचे गया।

5 और मेरे इस प्रकार से संकोच करने का जो बहुत बड़ा कारण था, मेरे दांतों का जो भराव (दातों में भरे जाना वाला एक प्रकार का पदार्थ)

है वो बाहर निकल गया था। और आज सुबह, मेरे मुंह से अपने आप ही सीटी बज रही है, यहाँ मेरे दांत के इस सामने के स्थान से। और अब वे मुझसे कहते है कि अब उन्हें पूरी तरह से नीचे तक साफ करके, और उन पर कैप (ढांकना होगा) डालना होगा। और सो यह बुढ़ापा बस धीरे–धीरे करके बढ़ रहा है, यही वो केवल बात है जिसे मैं जानता हूं। और मुझे उस एक दांत में भराव करना था, और इसका आधा हिस्सा, और जब मैं बात करना आरंभ करता हूं, तो आप इसे महसूस कर सकते हैं, कि एक तरह से हवा बाहर निकलती है, आप—आप जानते हैं कि मेरा क्या मतलब है, आपके होंठो से पार होती है। और यह आपको एक तरह का तोतला जैसे बना देता है।

6 आज हम वास्तव में एक सौभाग्यशाली लोग हैं, आज की सुबह जीवित रहने के लिए, और कलीसिया में आ सकते है। और क्रिसमस की इस पूर्व संध्या पर, उत्सव के लिए रुके हुए है जिसे वे करते है, जो, मैं—मैं आशा करता हूं कि मैं... यहाँ आज सुबह बहुत सारे बच्चे हैं, तो मुझे बस रूके रहना होगा। समझे? और हम वयस्क है, कभी–कभी, हम उन बातों को बोलते हैं जिन्हें बच्चों को सुनना भी नहीं चाहिए, आप जानते है।

7 लेकिन, मैं सोचता हूं कि कलीसिया के पास इन छोटे बच्चो को देने के लिए कुछ उपहार है। मैं बस इसे उधर देख रहा था, वहां पीछे की तरफ। ओह! आप रूकना चाहते हैं। सन्डे स्कूल के बाद, आप बस थोडा रुके रहे, देखें, क्योंकि मैं—मैं सोचता हूं कि छोटे बच्चो को आज सुबह देने के लिए वहां पीछे उनके पास कुछ उपहार है। और जब मैं... आप जो छोटे बच्चे है, याद रखें, जब हम ऐसा कर रहे हैं, मैं इस बात को स्पष्ट करना चाहता हूं, यह सांता क्लॉस नहीं है, क्योंकि यह एक कहानी है जिसे किसी दिन आप सीखेंगे कि इसका कुछ भी लेना देना नहीं है। लेकिन यह तो यीशु मसीह है, जो सारी सच्चाइयों का सत्य है, आप देखना, परमेश्वर का पुत्र। और हम आपको आज सुबह यह छोटा सा उपहार दे रहे हैं, क्योंकि यह आपको बताता है कि एक बार परमेश्वर ने सबसे महान उपहार दिया जो कभी वो मानव जाति को दे सकता है: उसका पुत्र है। और हमारे पास इसे व्यक्त करने का एक खराब तरीका है। और इसके साथ तुलना करने के लिए हम कुछ भी नहीं दे सकते हैं। लेकिन हम केवल मनुष्य के नाई एक दूसरे के लिए ऐसा करते हैं।

8 अब, मुझे अगले रविवार तक रुकना था। और संभव है, कैसे भी, मैं बताऊंगा कुछ तो ऐसा जिस पर मैं बोलना चाहता था। और हमें घर पर कुछ तो एक दर्शन के लिए ज्ञात हुआ है, कि मुझे इसका पालन करना ही होगा। और यह एक तरह का... यह एक प्रकार से कठिन प्रतीत होता है, लेकिन हम कभी भी नहीं सोचना चाहेंगे कि परमेश्वर जो कहता है वह कठिन है। उसके—उसके बोझ हल्के हैं।

9 और आने वाले रविवार को, यहाँ रहते हुए, परमेश्वर की इच्छा है तो, हम यहां एक—एक सभा को करेंगे, जो कि नये वर्ष की पूर्व संध्या से ठीक पहले होगी, यदि परमेश्वर हमारी इस सभा को रखने से प्रसन्न है तो। और हम सुबह की सभा करना चाहते हैं, जो बीमारों के लिए प्रार्थना होगी, और हो सकता है एक बपतिस्मा की सभा हो। तब मैंने सोचा, अपने दोस्तों को इसकी सुचना दे दूं, ताकि वे वहां आ सकें। फिर हमारे पास रविवार की सुबह और रविवार की रात सभा होगी। और फिर लोग नए साल के लिए रुकना चाहते हैं, तो हमें... हमें क्या इसके समय पर ध्यान देना है? [भाई नेविल कहते हैं, "हां।"—सम्पा।]

10 यहां बहुत सारे सेवक होंगे, जो नए साल की रात को बोलेंगे, यह मध्यरात्रि तक चलता रहेगा। और—और हम कुछ सेवको को आमंत्रित करते हैं ताकि आकर और बोले। परमेश्वर की इच्छा है तो, मैं उनमें से एक होना चाहता हूँ कि नए साल की रात को कुछ कहूं।

11 और फिर अगले रविवार, मैंने सोचा कि मैं बातों की एक रूप रेखा को लेकर आऊं, जो बातें हुई है, जो होती आयी है, यह दिखाने के लिए कि परमेश्वर उसके लोगो के साथ किस तरह व्यवहार करता है, और इसे यहां कलीसिया में सीधे एक—एक चरम बिंदु के अन्दर लेकर आता है।

12 और आप में से बहुत से लोग जो इस आयकर संबंधित मामले के बारे में सोच रहे हैं जिस में से होकर हम जा रहे थे। यह सुलझ गया है। और इसलिए मैं आपको ये भी बताना चाहता हूं कि यह किस तरह से हुआ। और मुझे लगता है, ऐसा है, कि इसे अगले रविवार फिर से बताना होगा, तो मैं अब अगले रविवार तक के लिए इंतजार करूंगा। और आज सुबह आपको वचन में से थोडा कुछ बताने की कोशिश करूँगा। समझे? और आने वाले रविवार को, मैं—मैं कोशिश करूंगा, यदि परमेश्वर ने चाहा तो मैं इसके बारे में बताना चाहता हूं कि यह सब किस प्रकार से आया, और मैं

आपके लिए उन प्रत्येक बातों को लाऊंगा जिसे परमेश्वर ने कहा था, और देखना ये बिल्कुल ठीक इसकी जगह पर पहुंचा है, ये बिल्कुल ठीक जगह पर स्थित हुआ है। देखा? वह कुछ भी गलत नहीं कहता।

13 लेकिन, अब, एक बात जो मैं आज सुबह कहना चाहता हूं, जो शायद मैं नहीं बताता, ना ही अगले रविवार को, जो बीते कल में कुछ घटित तो हुआ उससे संबंधित है। मेरी आज सुबह आने की थोड़ा भी इच्छा नहीं थी, क्योंकि मैं वास्तव में एक प्रकार से उलझन में था, सो मैं—मैं ऐसा और महसूस नही करता हूं। लेकिन यहाँ होने के नाते, सो, मैं पूरी कोशिश करूँगा जितना मैं कर सकता हूं।

14 पिछली रात के पहले, मेरे साथ भाई और बहन सोथमान थे, जैसा कि हम यहां जानते हैं, कलीसिया के ट्रस्टी (खजांची) में से वो एक है, वो और उनकी पत्नी, मुझसे और मेरी पत्नी से मिलने के लिए आये। और हम फीनिक्स और यहाँ–वहां होने वाली सभाओ पर बात कर रहे थे, कि क्या यह परमेश्वर की इच्छा है। और मुझे लगता है हम लगभग साढ़े दस बजे तक थे, और मैं ग्यारह के आस–पास बिस्तर पर सोने के लिए चला गया था।

15 और कभी तो एक रात के समय, मैंने नींद में एक सपना देखा। और इस सपने में मैंने किसी ऐसे व्यक्ति को देखा जो मेरा पिता की तरह होना चाहिए था; एक बड़ा, विशाल व्यक्ति, वो बस मेरे पिता के नाई प्रतिनिधित्व कर रहा था, प्रतिकारत्मक रूप से बोल रहा हूं। मैंने एक स्त्री को देखा, जो मेरी मां की तरह नहीं लग रहा था; लेकिन, फिर भी, उसे मेरी मां की तरह होना चाहिए था। और यह पुरुष (जो पिता की तरह होना चाहिए था, वो इस महिला का पति था) वो महिला से क्रूरता से दुर्व्यवहार कर रहा था, यहाँ तक कि उसके पास एक बड़ा लकड़ी का टुकड़ा, और वह उस महिला को *इस* तरह पकड़ता और उसे इस लकड़ी का टुकडे से मारता, और वह गिर कर और नीचे चली जाती। और फिर—फिर, थोड़ी देर बाद, वह फिर से वापस खड़ी हो जाती। और वह यहाँ– वहां चलता, उसे फिर से मारने के लिए सोचकर, और उसे फिर से मारता। और मैं कुछ ही दूरी पर खड़े होकर, इसे देख रहा था।

16 अंत में, मैं बस इस से तंग आ गया। और मैं एक तरह से इस व्यक्ति से छोटा था, जो मेरे पिता की तरह होना चाहिए। सो मैं उसके पास चलकर

गया और मेरी उंगली को उसके चेहरे में रखा। मैंने कहा, "उसे दोबारा मत मारना।" देखा? और जब मैंने ऐसा किया, कुछ तो होना आरंभ हुआ। मेरी हाथ के बाजु फड़कना शुरू हो गये, और मेरी मांसपेशियों तगड़ी, बहुत ही बड़ी हो गयी। मैंने ऐसी मांसपेशियों को कभी नहीं देखा। और मैंने बस उस व्यक्ति को कॉलर से पकड़ा, और मैंने कहा, "उसे फिर से मत मारना। यदि तुम करते हैं, तो तुम्हे मेरा सामना करना होगा यदि तुम उसे फिर से मारते हो।" और वो व्यक्ति मुझसे डर गया, और मैंने उसे ऐसे ही छोड़ दिया। मैं जाग गया।

17 तो, मैं बस कुछ क्षण के लिए वही लेटा रहा, इस सिलसिले में जो इसका अनुवाद आया। निश्चित रूप से, वो महिला, प्रतिकारत्मक रूप से बोलते हुए, कलीसिया है, जो कि मां की तरह है। वो पिता उसके ऊपर संप्रदाय है, जो कलीसिया के ऊपर अधिकार करता है, जैसे पति, पत्नी के ऊपर अधिकार करता है। और ये संप्रदाय जो कलीसिया को मार रहे है, और यहां तक कि उसे उसके पैरों पर खड़े भी नहीं होने देते और बस, हर बार जब वह उठने की कोशिश करती है या कुछ करती है, वे, वहां के लोग, वे संप्रदाय उसे मारकर नीचे गिरा देते है। और इसका मतलब केवल यह है कि यहां कुछ—कुछ विश्वास की मांसपेशियों को रखना है, वहां अपनी ऊंगुली को उसके ऊपर दिखा रहा हूं, और कहते हुए, "तुम मेरा सामना कर रहे हो। समझे? " क्योंकि, वहां पर कुछ तो लोग हैं, जो परमेश्वर के लोग हैं। और वह ठीक था। उसके बारे में...

18 हम वहां ऊपर लगभग मुझे लगता है दो घंटे, या तीन थे। और मेरी बेटी रिबका, उनमें से एक है, वहां पहले, वह लुइसविले में मेथोडिस्ट अस्पताल में काम करती थी। ओह, वह नर्स प्रशिक्षण अनुभवहीन तरह का है। यह "कैंडी स्ट्रिपर्स"(प्रशिक्षण में नर्स के साथ काम करनेवाले) है, वे उन्हें ऐसे बुलाते हैं, या ऐसा ही कुछ। और वह थी, वह... उन्होंने उसे सुबह सुबह आने के लिए कहा, और इसी बात ने मुझे उठा दिया। और यह सुबह–सुबह की बात थी, और वह, यहां कुछ अन्य छोटे स्कूल सहयोगी के साथ, वे वहां एक साथ काम करते थे, और उन्हें लुइसविले ले जानेवाले थे। उन्हें दस बजे वहां होना था। और पत्नी ने सोचा कि वह बेडरूम में क्यों नहीं जा सकी। मैंने इसे बंद कर दिया था।

19 अब, मेरे जीवन में कई चीजें हुई, लेकिन मेरे साथ ऐसा कुछ भी नहीं हुआ था। मैं एक बेहोशी जैसे अवस्था में चला गया। मैं अनुवाद नहीं जानता। मेरे जीवन में इस तरह से कुछ भी नहीं था। लेकिन, मेरे सामने, ऐसा प्रतीत होता है कि मुझे एहसास हुआ कि यह एक दर्शन था, और मैं दर्शन में था। लेकिन मैं अपने बेटे जोसफ से बात कर रहा था। जो, उस समय वो कमरे में नहीं था। लेकिन कैसे भी, जैसे ही वो दर्शन मुझे मिला, मैं जोसफ से बात कर रहा था।

20 और मैंने—मैंने ऊपर देखा। और ये एक प्रकार के, एक पिरामिड के आकार में मेरे सामने छोटे, छोटे पक्षी, खडे हुए थे, जो ऐसे ही कुछ आधा इंच के आकर के थे। और वे ऊपर, ऊपर डाली पर थे, वहां... कह सकता हूं, ये तीन या चार थे। फिर, अगली, अगली डाली पर शायद आठ या दस थे। और नीचे सतह पर, पंद्रह या बीस थे।

21 और वे छोटे योद्धा थे, क्योंकि उनके पंखों को मारा गया था, और ऐसा लगता था कि वे मुझसे बात करने की कोशिश कर रहे थे, कुछ तो कह रहे थे। तथा मैं पश्चिम में था, ऐसा दिखाई दे रहा था, टूसान, एरिजोना के आसपास था। और वे पक्षी पूर्व की ओर देख रहे थे। और मैं ध्यान से सुन रहा था। वे कहने की कोशिश कर रहे थे, ऐसे दिखा जैसे वे मुझे कुछ बताने की कोशिश कर रहे थे। और उनके छोटे–छोटे पंख थे, जो पूरी तरह से मार खाए हुए थे, और इत्यादि। वे लगभग काफी युद्ध से क्षतिग्रस्त हुए थे। फिर, अचानक, एक पक्षी ने दूसरे की जगह लेना आरंभ करता है, *इस* तरह कूदते हुए। और वे, छोटे पक्षी तेजी से उड़ते हुए, पूर्व की तरफ उड़कर चले गए।

22 और जब उन्होंने ऐसा किया, तब कुछ बडे पक्षी आये, पिंडुक की तरह दिख रहे थे, जिसके नुकीले पंख थे। और—और—और वे एक झुंड में आये थे, और तेजी से उड़ते हुए, वे छोटे पक्षियों की तुलना में अधिक तेज़ थे, वे जो पूर्व की तरफ उड़ गये थे।

23 और मैं अब भी अपने... दो विवेक में एक साथ था, मैं जानता था कि मैं यहाँ खड़ा था, और जानता था कि मैं कहीं तो और था। समझे? और मैंने सोचा, "अब, यह दर्शन है, और मुझे समझना चाहिए कि इसका क्या अर्थ है।"

24 और दूसरे झुण्ड के पक्षियों की तुलना में कोई और नहीं आया, मैंने पश्चिम की ओर देखा। और एक पिरामिड के आकार में देखा, जैसे दो दूत दोनों ओर थे, एक दूत जो साथ में सबसे ऊपर की ओर था, पांच सबसे शक्तिशाली दूत वहां पर आ गए, जिसे मेरे जीवन में मैंने कभी देखे थे। क्या ही जबरदस्त गति थी, जिसे मैंने कभी नहीं देखा। उनके सिर तने हुए थे, और उनके नुकीले पंख, बस शिघ्रता से हिला रहे थे! और सर्वशक्तिमान परमेश्वर की सामर्थ इस तरह से मुझ पर आयी, इतना तक कि इसने मुझे एकदम से जमीन पर से ऊपर उठा लिया, वहां जमीन से बहुत ही दूर, ऊपर।

मैं जोसफ को अभी भी बोलते हुए सुन सकता था।

25 और आवाज़ ऐसी प्रतीत होती थी जैसे ध्वनि की सीमा तोड़ते हुए, वो—वो एक बड़ी गर्जन हुई, बहुत दूर तक, जो दक्षिण की ओर चली गयी। और जब मैं ऊपर उठाया गया था... और वहां दूतो की बहुत ही जबरदस्त गति थी! और मैं बस उन्हें अभी देख सकता हूँ, देखो, जैसे कि वे उस आकार में थे, *इस* तरह, तब सीधे तेजी से मेरे अंदर आ रहे थे।

26 मैं अब सपना नहीं देख रहा था, अब। नहीं। मैं ठीक वहीं पर था, मैं जागृत था जैसे मैं अब हूँ। समझे?

27 लेकिन यहाँ पर यह आ गये। और वे इतने जबरदस्त तेज थे, मैने सोचा भी नहीं था, जब इसने मुझे ऊपर उठा लिया... मैंने उस विस्फोट को सुना, जैसे, या एक विस्फोट की तरह हुआ, जैसे ध्वनि की सीमा को तोड़ कर बाहर चली गयी हो। और जब ऐसा हुआ, मैंने सोचा, "तो, देखो इसका मतलब मैं किसी प्रकार के एक धमाके में अवश्य ही मरने वाला हूं।" और—और मैं बस... जब मैंने उन चीजों पर सोचा, मैंने सोचा, "नहीं, यह ऐसा नहीं होगा। क्योंकि, यदि यह एक विस्फोट होता था, तो इसने जोसफ को भी ले लिया होता था। क्योंकि, वह अभी भी वहीं पर है, बात कर रहा है, मैं सोचता हूँ कि मैं वहीं पर हूं। मैं उसे सुन सकता हूँ। यह ऐसा नहीं था।"

28 अब, यह सब अभी भी दर्शन में है। यह ऐसा नहीं था... देखा? ये दर्शन में था।

29 और फिर, अचानक ही, जब मुझे एहसास हुआ कि मैं... वे मेरे आसपास थे। मैं उन्हें नहीं देख सका, लेकिन मुझे उनके इस एक पिरामिड के समूह के अन्दर लाया गया था, इस पांच दूतो के—के समूह के अंदर। और मैंने सोचा, "अब, मृत्यु का दूत एक होता है। तो पांच अनुग्रह के होंगे।" मैं ऐसा सोच रहा था। मैंने सोचा, "ओह! ये—ये तो मेरे संदेश के साथ आ रहा है। यह मेरा दूसरा अंतिम चरण है। वे मेरे लिए प्रभु से संदेश को लेकर आ रहे हैं।" और मैं अपनी पूरी शक्ति के साथ जोर से चिल्लाया, जितनी जोर से मैं चिल्ला सकता था, "हे यीशु, आपके पास मेरे करने के लिए क्या है? " और जब मैंने ऐसा किया, यह बस—बस मुझसे दूर चला गया।

30 मैं—मैं—मैं तब से लेकर ठीक महसूस नहीं कर रहा हूं। समझे? मैं कल, पूरे दिन घर में ही था, मैं महसूस करने लगा कि मैं आपे से बाहर हूं। मैं अपने मन को सही नहीं बना सकता हूं। और परमेश्वर की महिमा और सामर्थ थी! मैं पूरी तरह से सुन्न हो गया था, जब यह मुझे छोड़ कर चला गया था। मैं अपने हाथों को रगड़ने की कोशिश कर रहा था। और मैंने सोचा, "मैं अपनी सांस को नहीं ले पा रहा हूँ।" और मैं यहाँ–वहां चलने लगा और सारे मंजिल पर और पीछे और आगे चल रहा था। मैंने सोचा, "इसका क्या मतलब है, प्रभु? इसका क्या मतलब है? " फिर, मैं रुक गया। मैंने कहा, "प्रभु, परमेश्वर, आपका दास... मैं—मैं बस समझ नहीं सकता हूं। क्यों? वो क्या था? इसका खुलासा करे, प्रभु।" तो ठीक है, जब...

31 मैं आपको इसके विषय नहीं बता सकता हूं, जब मैं, "प्रभु की सामर्थ" कहता हूं। इसे समझाने का कोई तरीका नहीं है। ये ऐसा नहीं है, आप यहाँ जो आशीषो में महसूस करते हैं। यह प्रभु का आशीषे है। यह एक पवित्र है! ओह, प्रभु! ये—ये किसी भी चीज से परे है, जिसे एक मनुष्य कभी कल्पना भी कर सके। समझे? और ये—और ये बात मुझे बहुत बुरी तरह से चिंतित कर रही था। यह नहीं है... यह एक आशीष नहीं है। यह एक चिंता है। तुम परेशानी में हो। समझे? यही है वो। यदि आप केवल...

32 यदि मैं केवल किसी तरह से कर सकता हूं कि मैं लोगों को बता सकूं कि यह क्या था, या ये क्या... मैं इसके लिए क्या महसूस कर रहा था! यह, यह ऐसे नहीं है, इस तरह यहाँ बैठकर आनंद करना चाहते हैं। यह—यह ऐसा कुछ है कि आप में की हर एक तंत्रिका बस... यह डर से परे है। यह

भयभीत होने से परे है। यह एक पवित्र आदर है। में... मुझे... इसे समझाने का कोई तरीका नहीं है। यहां तक कि, मेरी पूरी पीठ तक, ऊपर और नीचे मेरी रीढ़ की हड्डी, मेरी उंगलियों से होते हुए, मेरे पैरों पर ऊपर और नीचे, और पैर की अंगुली, मेरा पूरी अवस्था बस नम हो गयी थी, देखो, बिल्कुल ऐसे जैसा कि आप—आप संसार से कहीं तो बाहर गए हो। और—और यह धीरे–धीरे मुझसे जा रहा था, और मैंने परमेश्वर से कहा, "क्या आप केवल मुझे बताये, हे परमेश्वर? "

33 मैं सोचता हूं, कि, ये अब तक की सबसे करीबी मोजुदगी आयी, जो फिर से जबरदस्त थी, जब मैं स्विट्ज़रलैंड के ज़्यूरिक में था, उस समय जब उसने मुझे दिखाया कि जर्मन उकाब देख रहा है कि अंग्रेजी घुड़सवार अफ्रीका में से होते हुए वहां आया है। और उसने कहा, "सभी ने पाप किया है, और महिमा के लिए कम आ पाया गया।"

34 और मैं अपनी सहायता के लिए परमेश्वर को पुकार रहा था। और मैं—मैं उससे चाहता हूँ कि मुझे अनुवाद को दें, क्योंकि मैंने सोचा कि यदि इसका मतलब है—यदि इसका मतलब है कि मैं दूर जाने वाला था, तो मैं खत्म होने जा रहा था। और यदि ऐसा था, तो मैं इसके बारे में परिवार से कुछ भी नहीं बताने वाला था। यह मेरा घर जाने का समय है, क्योंकि, मुझे अब घर जाना होगा, ऐसा ही है। लेकिन यदि—यदि इसका मतलब यही था, तो मैं परिवार को बताना नहीं चाहता था, नहीं चाहता कि वे इसके बारे में कुछ भी जाने। बस इसे होने दो, और सब ऐसा—ऐसा ही होगा।

35 मैंने कहा, "हे परमेश्वर, मेरी सहायता करे। मैं अपने परिवार को बताना नहीं चाहता, यदि—यदि आप... यह, यह मेरे घर जाने की बुलावट है, तो ठीक है, मैं जाऊँगा।" आप देखना। मैंने कहा... और, आप जानते हैं, आप...

36 आप कहते हैं, "ठीक है, आपने उसके बारे में क्यों नहीं सोचा जो आपने दर्शन में कहा, जो दर्शन में कहा गया? "

37 लेकिन आप तब उस तरह की बातों के बारे में सोच नहीं सकते। आप... मैं किसी भी तरह से नहीं कर सकता। और मैंने सोचा... मैं केवल

परेशान था, चिंतित था। आप नहीं जानते कि कैसे सोचे। आप नहीं सोच सकते है।

38 और मैंने कहा, "स्वर्गीय पिता, यदि इसका मतलब यह है कि—कि एक विस्फोट मुझे उठाने जा रहा था, तो ठीक है, मुझे अभी बताये, सो मैं इसके बारे में कुछ भी नहीं कहूंगा। आपकी महिमा और सामर्थ दोबारा मुझ पर आने दिजिये, और मुझे फिर से ऊपर उठाइये। या, आपकी महिमा मुझ पर आने दिजिये, और तब मैं बाद में जान जाऊंगा कि इसका ये मतलब था—इसका ये मतलब था, और सो मैं इस बात को अपने पास रख सकता हूं।" और कुछ भी नहीं हुआ।

39 सो तब मैंने कहा, "तब, परमेश्वर, यदि इसका मतलब यह है कि आप अपने संदेशवाहको को भेजने जा रहे हैं, जो मेरा कार्यआदेश है, तब आपकी सामर्थ फिर से आने दिजिये।" यह जैसे मुझे कमरे से बाहर लेकर गया!

40 हालाँकि, मैं अपने आपे में गया, अपनी बाइबल हाथ में लिए हुए, उसके बाद, देखो, और मैं परमेश्वर से मेरी सहायता के लिए मांग रहा था। और जब मैंने ऐसा किया, तो उसने—उसने मुझे वचन में से कुछ दिखाया, जो ठीक इससे संबंधित था, ठीक वहां। और मैंने सोचा, "क्या यह वास्तव में ऐसा हो सकता है? मैंने यह कैसे किया?" और, ओह, मैं—मैं इन चीजों को लोगों को समझा नहीं सकता हूं। मैं जिस बारे में जानता हूं यह किसी भी चीज परे है। समझे?

41 मेरी पत्नी एक बहुत ही बेजोड़ महिला है; संसार में सर्वश्रेष्ठ में से एक। लेकिन, कुछ समय के लिए, मैंने इसके बारे में कुछ भी नहीं बताया। मैं आगे चला गया। वह जानती थी कि वहां कुछ तो हुआ था। तो जब मैंने उसे बताया, उसने कहा, "आप जानते हो, बिल, मैं आपलो उन बहुत से चीजों में देखती और सुनती हूं।" कहा, "आप जानते हैं मैं आप पर अपने पूरे दिल से विश्वास करती हूं," उसने कहा। उसने कहा, "लेकिन यह वास्तव में कुछ तो था।"

42 यह ऐसा प्रतीत होता है, जो बस मुझे हिला देता है, उस धमाके का होना और इस तरह तेजी से उन दूतो का आना, वे पांच एक साथ, जो उनके समूह में थे। जैसे एक तरह से जैसे—जैसे मैंने पिरामिड को यहाँ चित्रित किया था, देखें। वे, ऐसे लग रहे थे, पहले वे ऐसे दिखे, एक प्रकार

से... दूरी में है, वे पिंडुक के रंग की तरह दिख रहे थे। और वे *इस* दिशा में आ रहे थे। और वे ऐसे दिखाई देते थे, एक, दो; तीन चार; और फिर एक ठीक सबसे ऊपर था, देखें, पांच की बनावट थी। और वे इतनी तेज गति से आये! *इसकी* तुलना किसके साथ भी कर सकते हैं, ना ही जेट (विमान) से, या किसी से भी नहीं।

43 और मैं तब उन्हें देख सकता हूं, और उनके सिर एक प्रकार से एक ओर घुमे हुए थे। वे पंख पीछे की ओर झुके हुए थे, पूरी तरह से कवचबंद थे, और वे यहां ऐसे आये "व्यूह!" *इस* तरह से। तब वे नीचे आ गए, और तब वे मुझे अपने पिरामिड के समूह के अंदर ले गये। मैंने देखा कि मैं जमीन के ऊपर उठ गया था। मैंने सोचा शायद... मैंने सुना, बहुत ही दूर से, उस गर्जना को, "हूम!" जैसे एक विमान जब उस ध्वनि की सीमा को पार करता है, आपने इसे करते हुए सुना है, तब जैसे एक दूर से गर्जना हुई।

44 मैंने सोचा, "इसका मतलब अब हो सकता है, जब यह दर्शन मुझे छोड़ जायेगा, मैं एक विस्फोट या किसी चीज से मारा जाऊंगा।" मैंने सोचा, "मैं यहां हूं। मैं उठाया गया हूँ। मैं... वे, वे यहीं कहीं पर हैं। मैं—मैं इसमें हूं, यहाँ दूतो के पिरामिड में। लेकिन, मैं—मैं नहीं जानता। हो सकता है, प्रभु मुझे घर ले जाने के लिए आ रहा हो।"

तब मैंने जोसफ को वहां कहते हुए सुना, "डैडी? "

सोचा, "नहीं, यदि ऐसा होता, तो ये उसे भी ले जाता।"

45 तब किसी ने कहा, "तुम... " याद रखना, मैं रुका हुआ हूँ, एक संदेश के लिए देख रहा था जिसे मैंने हमेशा ही भविष्य के लिए देखा था, जो कुछ तो था।

46 और एक दिन, वो दर्शन, आप जानते हैं, ज्यादा समय नहीं हुआ है, जब मुझे दर्शन मिला था, मुझे उस बारे में बता रहा था कि क्या होने जा रहा था; मैं सूरज में से होकर इस स्थान में कैसे प्रचार कर रहा था। और—और फिर उसने कहा, "अब याद रखें, दूसरा अंतिम चरण अभी तक आना बाकी है।"

मैंने सोचा, "एक संदेश होगा।"

47 यहाँ मेरा संदेश याद है? उस चोटी के पत्थर का खुलना, जहां, वे सात आवाज़ें और मोहरे जो परमेश्वर के वचन में लिखी भी नहीं गई हैं। याद है? और ये मुझे उस पिरामिड के अन्दर ले गया।

48 और जूनी जैक्सन, यदि आप यहां हैं, तो ज्यादा समय नहीं हुआ वो सपना जिसे आपने मुझे बताया हैं। मैं इसे आज सुबह नहीं बताऊंगा। आप... परमेश्वर पूरी तरह से सिद्ध रूप से था। और इसका अनुवाद न देने के लिए मुझे क्षमा करें; क्योंकि, मैंने देखा कुछ तो गतिविधि हो रही है।

जे टी, के पास वही बात थी, देखें। और मैं—मैं—मैं इसे जानता था।

और बहन कोलिन्स के पास बिल्कुल वही बात थी। समझे?

और उनमें से वे छह, ठीक एक ही बात के लिए ले जा रहे है।

49 और फिर जिस दर्शन को मैंने वर्षो पहले आप सबको बताया था, यह हाल ही में उस दिन घटित हुआ। देखा? ऐसा होगा।

50 और वहां पर है ये, ठीक अपनी जगह पर है, हर एक चीज ठीक अपनी जगह पर है। ये अब कुछ तो मंडरा रहा है। मुझे नहीं पता कि यह क्या है। परमेश्वर मेरी सहायता करे; मेरी प्रार्थना है।

आइए प्रार्थना करे।

51 स्वर्गीय पिता, हम—हम तो केवल मरणहार हैं, और यहां आज सुबह हम खड़े हैं। और, प्रभु, मैं... आपने मुझे इस छोटे झुंड का और इस कलीसिया का नेतृत्व करने के लिए भेजा है। और मैं अपने अंत पर हूँ। मुझे नहीं पता कि किस तरफ से, क्या, कहां, आ रहा है। लेकिन मैं एक बात जानता हूं, कि आपने कहा था कि आप जो करते है, "सब बातें मिलकर भलाई को उत्पन्न करती है" उनके लिए जो आपसे प्रेम करते है और आपके उद्देश्य के अनुसार बुलाये गए है। मैं आपसे प्रार्थना करता हूँ, परमेश्वर, कि आपका महान दया का हाथ हमारे ऊपर हो।

52 हम वास्तव में जानते हैं कि आप परमेश्वर हैं। और हम जानते हैं कि आप वो एक नहीं जो गुजरे दिनो में जीवित थे, लेकिन आप आज तक जीवित हैं। आप हमेशा ही परमेश्वर थे। आप हमेशा ही परमेश्वर रहेंगे। आप समय से पहले परमेश्वर थे, और आप परमेश्वर बने रहेंगे जब कोई समय नही रहेगा। आप तब भी परमेश्वर बने रहेंगे।

53 और हम आपके हाथो में हैं, प्रभु। हम तो बस मिट्टी हैं, और आप आकार देने वाले कुम्हार है। हमारे जीवन को आकार दे, प्रभु, उस तरह से जिससे आपके आदर के लिए सबसे अच्छी सेवा मिले। इसे प्रदान करे, पिता। हम बस आपके हाथों में हैं।

54 हमारे पास यहां खुद को लाने का कोई जरिया नहीं था, या हम नहीं जानते कि हम बाहर कैसे निकलेंगे। प्रभु, आप हमें जीवन देते हैं, और आपके पास... हम अपने जीवन को आपको वापस देते है, और, इसी तरह, आप हमें बदले में अनन्त जीवन देते है। हमारा विश्वास हमारे उसी अस्तित्व में सांस लेता है। और हम इसके लिए प्रेम करते हैं, क्योंकि हम जानते हैं कि किसी दिन हम आपको देखेंगे, और आप अपनी महिमा में होंगे। और हम उसे देखेंगे। और हम उन शब्दों को सुनना चाहते हैं, "बहुत ही अच्छा किया, मेरे भले और विश्वासयोग्य दास। प्रभु के आनंद के अन्दर प्रवेश करो, जो दुनिया की बुनियाद डालने से लेकर तुम्हारे लिए तैयार की गई है।" उस समय तक के लिए, हे परमेश्वर, जब हम सभी मिलते हैं, हमारी अगुवाही करे।

हम आपके दास हैं, और हम अपने पापों की क्षमा मांगते हैं।

55 ये महान दर्शन, हे प्रभु, आपके दास के लिए बहुत अधिक है। मैं नही जानता कि क्या करना है। मुझे—मुझे बस पता है कि वे आये थे। और मैं केवल वही कह सकता हूं जो मैंने देखा है और जो कहा गया था। और कभी–कभी यह मुझे डरा देता है, परमेश्वर। और मैं—मैं सोचने लगता हूं कि क्या करना है।

56 तब मैं बाइबल को लेता हूं और वहां पढ़ता हूं कि यशायाह ने उस दिन मंदिर में कैसा महसूस किया होगा; जब उसने उन दूतो को देखा, उनके पंखो को पैरो के ऊपर रखे हुए थे। कोई आश्चर्य नहीं कि वो चिल्ला उठा, "मुझ पर हाय! क्योंकि मेरी आंखों ने परमेश्वर की महिमा को देख लिया है।"

57 और उसके बाद ऐसा था वो भविष्यद्वक्ता रो पड़ा: मंदिर में उसे शुद्ध करने के बाद, जब उस दूत ने चिमटे को लिया, और कोयले के अंगार को लिया और उसके होठों पर रख दिया; उसके स्वीकार करने के बाद कि वह अशुद्ध होठो वाला मनुष्य था, और अशुद्ध लोगों के बीच रहता है। फिर भी,

वह एक भविष्यवक्ता था। उस दूत ने चिमटे को लिया और उसके होंठों पर कोयले के अंगार को रख दिया और उसे शुद्ध कर दिया, और कहा, "अब जाकर, भविष्यवाणी करो।"

प्रभु परमेश्वर, यशायाह चिल्ला उठा, "मैं यहाँ हूँ, प्रभु। मुझे भेज।"

58 जब, उसने कहा, "हमारे लिए कौन जायेगा? " उस दुष्ट और व्यभिचारी पीढ़ी के लिए!

59 हे परमेश्वर, इसे फिर से दोहराये। हे प्रभु, इसे फिर से आने दो। पवित्र आत्मा के साथ शुद्ध करने वाली अग्नि को भेजे। क्योंकि, मैं स्वीकार करता हूं, मैं एक अशुद्ध होंठो वाला हूं, और यहां इस धरती में अशुद्ध लोगों के साथ रहता हूं। और हम आपकी दृष्टि में अशुद्ध है, प्रभु। लेकिन, ओह, शुद्ध करने वाली सामर्थ को भेजे, पवित्र आत्मा! हे परमेश्वर, हमें शुद्ध करे। अपने दास को शुद्ध करे, प्रभु।

60 और फिर परमेश्वर, बोल, आपका दास सुन रहा है। मैं उस आवाज़ को सुनना चाहता हूँ। मैं आपका हूँ, मुझे प्रयोग करें, परमेश्वर, जब आप देखे कि योग्य है, जैसे मैं खुद को आपकी वेदी पर रखता हूं। पवित्र आत्मा मुझे शुद्ध करे, प्रभु; और अभिषेक करे और आगे भेजे, प्रभु, यदि आप चाहते हैं कि कोई तो जाये, तो क्या यही वो घडी है और यही वो समय है।

61 मैं—मैं नहीं जानता, प्रभु। मैं—मैं इतना जानता हूं कि मैंने उन दूतो को देखा था। और आप जानते थे कि वे बातें बिल्कुल सच होनी है। और मैं प्रार्थना करता हूँ, प्रभु, "हाय मुझ पर, " सो मेरी सहायता करे।

62 और अब इन लोगों को आशीष दे। और हम आज यहां पर हैं, अब हमारे प्रभु के जन्म के इस उत्सव के समय की पूर्व संध्या से पहले। हम प्रार्थना करते हैं कि आप हमारी सहायता करेंगे।

63 और आज सुबह, आपके दास, हमारे भाई नेविल ने महसूस किया है हो सकता है कि यही एक वो समय होगा कि उसे कुछ क्षण के लिए विश्राम करना चाहिए, और हो सकता है मुझे बोलना चाहिए। और मैं—मैं प्रार्थना करता हूं कि अब आप मेरी सहायता करेंगे।

64 यहां लोग हैं, प्रभु, और हम सभी को आपकी आवश्यकता है। इसलिए हम अब प्रार्थना करते हैं कि आप हमें आशीष देंगे जब हम आपका वचन पढ़ते हैं और कुछ समय के लिए मनन करते हैं। आपका आत्मा हमारे ऊपर

हो, प्रभु। और हमें शुद्ध करे और हमें पवित्र आत्मा के साथ, आग पर रखे, परमेश्वर के संदेश के साथ, वेदी से ताजा करे, एक मरने वाले संसार को हिलाने के लिए, महान अनंत परमेश्वर के सामने पहुँचने से पहले। क्योंकि हम इसे, उसके प्रिय पुत्र, और हमारे उद्धारकर्ता यीशु के नाम में मांगते हैं। आमीन।

65 अब मैं यहां कुछ वचनों पर आपका ध्यान दिलाना चाहता हूं, और कुछ बातें है जिसे मैंने यहाँ लिखकर रखा है।

66 और मैं सोचता हूं, डॉक, या बिली, या उनमें से एक ने मुझे बताया, कि वे बच्चो की वजह से, थोड़ा सा जल्दी बाहर जाना चाहते है। उन्हें बच्चो के लिए कुछ उपहार को देना है।

67 आप जो छोटे बच्चे है जो अभी अपने सन्डे स्कूल से बाहर निकले है, आप—आप कुछ समय के लिए आसपास रहे। हम यहां से जो कहेंगे, जो हो सकता है आपके लिए थोड़ा गहरा होगा, लेकिन आप—लेकिन आप बस फिर भी कुछ मिनटो के लिए माता–पिता के साथ बैठे रहे। मैं उनसे बात करना चाहता हूं।

68 अब, भजन संहिता में, 89 वे भजन संहिता, मैं 89 वे भजन संहिता का एक या दो पद को पढ़ना चाहता हूं। मैं 50, 51 और 52 पदो को पढ़ने की कोशिश करने करूँगा।

69 अब, आप जो सबसे पीछे, दूर पीछे की तरफ है, क्या आप सुन सकते हैं, ठीक है? क्या आप अपने हाथ उठा सकते हैं। तो मैं... कौन सा है... क्या ये सभी माइक काम कर रहे है? [कोई कहता है, "मुझे नहीं पता।"—सम्पा।] क्या *यह* एक अच्छा वाला माइक है, या *यह* वाला अच्छा है? *यह* वाला? *यह* वाला? ["यह दोनों माइक काम कर रहे है।"] ठीक यहाँ, *यह* दो जो इस तरफ तरफ है? ["यह एक, यह एक, और यह एक।"] तो ठीक है।

70 मुझे नहीं पता कि वे इसे टेप करने जा रहे हैं या नहीं। यह तो केवल आज सुबह एक प्रकार से अनपेक्षित कार्यक्रम है।

71 लेकिन अब मत भूलना, अपने सभी मित्रो को। और मैं—मैं चाहता हूं कि आप निश्चित रूप से, लगभग, आने वाले रविवार की सभा में आने की कोशिश करें।

72 मुझे लगता है कि उन्हें यहाँ जल्द ही कलीसिया को समाप्त करना होगा। और उसके बाद मैं—मैं इसके लिए वापस आऊंगा, उन सात मुहरों का प्रचार करूंगा, यदि यह परमेश्वर की इच्छा है तो, यहां इन वचनों में से बताऊंगा।

73 भजन संहिता की पुस्तक में, 89 वे अध्याय, 50 वें पद से आरंभ करूंगा। अब वचन के पढ़ने को ध्यान से सुने।

हे प्रभु अपने दासों की नामधराई की सुधि कर; मैं तो सब सामर्थी जातियों का बोझ लिए रहता हूं;

तेरे उन शत्रुओं ने तो, हे यहोवा; तेरे अभिषिक्त के पीछे पड़ कर उसकी नामधराई की है।

यहोवा सर्वदा धन्य रहेगा। आमीन और आमीन।

74 मैं कुछ क्षणों के लिए आपसे बात करना चाहता हूं... मैं चाहता हूं कि आप उसे पहले चिह्नित कर ले, और इसे अच्छी तरह से बार–बार पढ़ें। हो सकता है इसे ठीक अभी फिर से पढ़ना उचित हो। अब ध्यान से सुने। देखा?

हे प्रभु अपने दासों की नामधराई की सुधि कर; मैं तो सब सामर्थी जातियों का बोझ लिए रहता हूं;

तेरे उन शत्रुओं ने तो, हे यहोवा; तेरे अभिषिक्त के पीछे पड़ कर उसकी नामधराई की है।

यहोवा सर्वदा धन्य रहेगा। आमीन और आमीन।

75 इसका ध्यान से अध्ययन करे, जैसा कि दाऊद इसे बोलता है। मैं एक पाठ के लिए उपयोग करना चाहता हूँ... यह बहुत अनोखा है, क्या ये फिर से क्रिसमस का पाठ है; लेकिन जैसा कि मैंने पिछले रविवार को एक अनोखे पाठ पर प्रचार किया था। मैं अब भूल गया कि यह क्या था। यह एक... [एक भाई कहता है, "संसार का टूट कर बिखरना।"—सम्पा।] कौन सा? ["संसार का टूट कर बिखरना।"] बिखरना: *संसार का टूट कर बिखरना* ।

76 अब मैं इस रविवार के एक पाठ के लिए उपयोग करना चाहता हूं: *वचन के कारण निंदा को लेना*। अब मैं अच्छी तरह इसे फिर दोहराता हूं। वच... *वचन के कारण निंदा को लेना*।

77 परमेश्वर का एक समय है, और उस समय का एक कारण होता है, ताकि अपने सारे वचनों को पूरा करे। परमेश्वर बिल्कुल अच्छी तरह जानता है कि वो वास्तव में क्या करने जा रहा है। हम नहीं जानते। हमें केवल इसे ग्रहण करना है जैसे वो हमें इसे देता है। लेकिन, वह जानता है, और कुछ भी गलत नहीं होगा जो उसने—उसने करने की योजना बनाई है। यह सब होने पर है। कभी–कभी, सख्त और कठिन बातें होती हैं, जो केवल वास्तविकता को बाहर लाने के लिए होती है, उस वस्तु का सच्चा गुण।

78 आप जानते हैं, बारिश का जन्म एक धारीदार, खुरखुरे, बिजली से घिरे हुए, गरजते हुए आसमान में होता है। और यदि हमारे पास बारिश न हो, तो हम नहीं जी सकेंगे। लेकिन क्या आपने देखा कि कौन सी बात बारिश को लाती है? गर्जन, बिजली, चमकती हुई, रोष। और बारिश वहां से बाहर आती है।

79 एक बीज को मरना ही है, सड़ना है, दूषित होना है, दुर्गन्ध होना है, और नये जीवन को लाने के लिए धरती की मिट्टी पर वापस जाना है।

80 ये सोने को जोर से मारा जाता है, पीछे और आगे से और आदि, बार–बार घुमाते हुए, तब तक जोर से मारना होता है जब तक सारा बेकार धातु बाहर नहीं आ जाता है। इसलिए नहीं कि यह चमकता है, क्योंकि लोहे का पाइराइट (पीलापन) होता है, जिसे धोखे का सोना कहा जाता है, जो असली सोने जैसा चमकता है। लेकिन, आप दोनों को एक साथ रखो। आप उन्हें एक तरफ रख दे, आप उन्हें शायद ही भिन्न कह सकते हैं। लेकिन उन्हें एक साथ रखो, आप इसे बता सकते हैं। और मारने वाला हमेशा ही तब तक मारता है, जब तक वह—वह अपनी छवि को सोने में प्रतिबिंबित होते हुए नहीं देख लेता है।

81 और परमेश्वर एक समय को निर्धारित करता है, और हर एक चीज के लिए एक उद्देश्य होता है और जो भी वह करता है। कुछ भी ऐसे अचानक से नहीं होता है, उनके लिए जो परमेश्वर से प्रेम करते है और उनके बुलाहट के अनुसार बुलाये गए है। समझे? हम पहले से ठहराये गए हैं। और हर एक चीज उसके लिए बिल्कुल सही काम करती है, क्योंकि वह झूठ नहीं बोल सकता है। और उसने ऐसा ही कहा था कि, हर चीज का अपना समय होता है, उसका मौसम होता है, और अपना तरीका होता है। और हर गतिविधि के पीछे परमेश्वर होता है। और कभी–कभी आप ऐसा सोचते हैं

कि सब कुछ गलत हो रहा है। यह तो हम पर निर्भर करता है। उन चीजों को हम पर डाल दिया जाता है, जांचना है और सोचना है। यह जांचता है, यह देखने के लिए है कि उस एक गतिविधि पर हम कैसी प्रतिक्रिया को करते है।

82 कुछ समय पहले, वहां वरमोंट में, भाई फ्रेड और मैं न्यूयॉर्क की तरफ चले गए, चैम्पलेन झील के उस ओर, और हमें वहां न्यूयॉर्क की ओर जाना था। और मैं ऊपर पहाड़ पर चला गया जहां वो, ऊपर हुर्रीकेन पहाड़ था, जहां मैं शिकार करने जाया करता था। और वहां मुझे याद है, जब मैं खो गया था, और कैसे परमेश्वर ने मेरी वापस जाने के लिए अगुवाही की, बस केवल पवित्र आत्मा के द्वारा, एक तूफान में से होते हुए। कि, मैं मर गया होता, नाश हो जाता, और वैसे ही मेरी पत्नी और बिली, जो बहुत मीलो दूर नीचे छोटे से तम्बू में थे। और मैं पीछे की ओर मुड गया था।

83 और वहां थोड़ी सी बर्फ थी जिसमें से हम निकल कर आये थे, ताकि हम तम्बू में जा सके, वसंत के आरंभ में। और मैं वहां खड़े होकर भाई फ्रेड से बात कर रहा था, और पवित्र आत्मा ने कहा, "तुम वहां से बाहर आओ।" और मैं कुछ समय के लिए झाड़ी में चला गया, उस स्थान में। उसने मुझे बताया, "तुम्हारे लिए एक जाल को बिछाया गया है। अब, सावधान रहना।" लेकिन उसने मुझे नहीं बताया कि कैसे, क्या। मैंने वापस आकर और भाई फ्रेड को बताया।

84 मैं उस रात कलीसिया की सभा में गया, इस बात की लोगो से घोषणा की। और अगली रात को यह घटित हुआ था। और उसके बाद मैं वहां पर खड़ा था जब उसने मुझे मजाक उड़ाने वालो पर कुछ बताया, उसने कहा, "यह तुम्हारे हाथों में है। उनके साथ जो करो। जो भी तुम कहोगे, ठीक अभी हो जायेगा।"

85 आप वहीं है, जहाँ, कोई अपमानजनक, अधर्मी, और सभा में वे एक जवान पुरुष और एक महिला तमाशा कर रहे थे और उपहास कर रहे थे। और वो पुरुष इमारत में उसके साथ अश्लील प्रेम करने की कोशिश कर रहा था; और सभी का ध्यान अपनी ओर आकर्षित रहा था, जब मैं प्रचार करने की कोशिश कर रहा था। और उसने उसके सिर को पीछे खींचा और उसकी गोद में चढ़ने की कोशिश कर रहा था, और उसके सिर को पीछे

करके और उसे चूमने की कोशिश की, और इस तरह से सभा में चल रहा था, जो ध्यान को खींच रहा था।

86 और पवित्र आत्मा ने कहा, "अब ऐसा है... वे तुम्हारे हाथों में हैं। तुम उनके साथ क्या करोगे? "

87 वहां एक पवित्र ख़ामोशी थी। हर कोई पूरी तरह से चुप बैठा था। और मैंने सोचा, "हे परमेश्वर, मुझे क्या करना चाहिए? "

88 तब मुझे याद आया, ये दो दिन पहले क्या पवित्र आत्मा की चेतावनी नहीं थी। मैंने कहा, "मैं तुम्हें क्षमा कर दूंगा।" अब, यही था वो, जिसे वो चाहता था कि मैं कहूं। देखा?

89 क्योंकि, आखिरकार, मैं—मैं दोषी ठहरता हूं, शायद उस बात पर नहीं, लेकिन दोषी हूं। "और जो एक बात में चुक जाये वो सब बातों में दोषी ठहरा।"

90 इसलिए मैंने कहा, "मैं तुम्हें क्षमा करता हूं।" और यहां अभी गवाह बैठे हुए हैं, जो उस वक्त वहां पर थे। तब पवित्र आत्मा उतर कर आया।

91 अब, आप देखते हैं, मैं विश्वास करता हूं कि इन चीजों का अर्थ था। आप एक सामर्थ के साथ क्या करेंगे? देखें, आपकी उस एक गतिविधि के लिए कैसी प्रतिक्रिया होती है? ऐसा कुछ जो एक गतिविधि के रूप में आता है, फिर आपकी प्रतिक्रिया कैसी होती हैं? आप समझे मेरा क्या मतलब हैं? आप क्या करोगे? और हो सकता है यह सब उत्तेजीत करता है कि अब हम कहाँ पर हैं। मैं नहीं जानता। मैं—मैं बस नहीं कह सकता। लेकिन हमेशा ही किसी तरह रहा है...

92 और यह याद रखें कि, वचन के लिए निंदा... वचन के लिए हमेशा ही एक निंदा को सहा गया है। सारे युगों में से होते हुए, परमेश्वर के अभिषिक्त वचन की हमेशा ही निंदा की गई है। और यही वजह है, ये लोगो के लिए कठिन होता है जो नहीं समझते हैं, वे जानते है कि निंदा को कैसे लेना है।

93 क्या आप याद कर सकते है, वे चेले वापस लौट रहे थे और आनंद कर रहे थे क्योंकि उन्होंने सोचा कि उन्हें उसके नाम के कारण निंदा लेने के लिए योग्य माना गया है? उसने कहा, "जो मसीह में भक्तिपूर्व जीवन जीते हैं वे सब सताये जायेंगे, " वचन की निंदा।

94 आपको हमेशा ही इस निंदा के लिए खड़ा रहना है, आपको जांचने के उद्देश्य से, ताकि देखे। मसीह के पास आने वाले हर व्यक्ति को सबसे पहले बच्चो की तरह प्रशिक्षित होना चाहिए, उस उद्देश्य के लिए जो परमेश्वर ने आपके लिए ठहराया है। और याद रखें, यदि आप केवल चुप रह सकते हैं तो! याद रखें, यदि उसने आपको इसके लिए बुलाया है, तो ऐसा कुछ भी नहीं है जो इसे होने से रोक सके। कष्ट पहुंचाने में इतने शैतान नहीं है, लेकिन जो परमेश्वर का वचन जो प्रकट किया जायेगा। आपने एक उद्देश्य के लिए जन्म लिया है, और कोई भी आपका स्थान नहीं ले सकता है। शायद आपके नक़ल करने वाले और इत्यादि हो सकते है, लेकिन वे कभी भी आपके स्थान को नहीं लें लेंगे। सही है। परमेश्वर का वचन जयवंत होगा। यह असफल नहीं हो सकता है। यही है जहाँ हर एक मसीह को खड़ा होना चाहिए, इसे—इसे जानना चाहिए। और परीक्षाये ऊपर आयेगी, और आपको सब तरह से दिखाई देगी। लेकिन याद रखें, परमेश्वर का एक उद्देश्य है, और ये पूरी तरह से काम करेगा।

95 अब आइये अब परमेश्वर के वचन की कुछ घटनाओं को वापस देखे, जो पूरे हुए है, और जिन्होंने अपने युग में वचन को परिपूर्ण किया है।

96 ज्यादा समय नहीं हुआ, मैंने—मैंने आत्मा में महसूस किया, कि कोई तो मेरी आलोचना कर रहा था। हो सकता है यह टेप सुनने वाले लोग रहे हो। मैं हमेशा ही हवाला देता रहता हूं, कि जो मैं कह रहा हूं, वापस जाकर, इस पर बाइबल के पात्रों को उठाये। तो, मैं इसे एक उद्देश्य के लिए करता हूँ। बाइबिल ने कहा कि ये बातें लिखी गई हैं जिससे की हम उन्हें देख सके। और बिना शिक्षा के यही एकमात्र तरीका है, केवल इसी तरह से मैं कर सकता हूं, वापस हवाला देकर और कहता हूं, "आप देखे कि *यह* कहां पर स्थित होती है, इस बात से क्या घटित हुआ, *इस* बात को किस स्थान से लिया गया है।" देखा? और तब आप बस अपने आप को वहां पर रखते है।

97 ज्यादा समय नहीं हुआ, जैसे मैं छोटे लड़के पर प्रचार कर रहा था जो जहाज पर था, आप जानते हैं, और—और वो बूढा कप्तान मर रहा था। वह बीमार था। और उसने पूछा कि क्या जहाज पर कोई बाइबिल नहीं है। और उन्होंने उस छोटे लड़के को पाया जिसके पास बाइबल थी, और उसने आकर और यशायाह 53:5 पढ़ा। "वह हमारे अपराधों के लिए घायल

हुआ, हमारे पापों के लिए कुचला गया।" और उसने कहा, "मैं... मैं आपको बताता हूं, कप्तान, मेरी मां हमेशा इसे कैसे पढ़ती थी।" कहा, "वह उसने जिस तरह से लिखा है। 'वह विली प्रूइट के पापो के लिए घायल हुआ। और उसे विली प्रुइट के लिए ताड़ना मिली थी। और ये सब चीजें जो उसने की थीं, विली प्रुइट के लिए थीं।'" जो उसका नाम था।

बूढ़े कप्तान ने कहा, "मुझे यह अच्छा लगा। क्या तुम इसमें मेरे नाम को पढ़ सकते हो? "

98 उसने कहा, "मैं कोशिश करूंगा।" और उसने कहा, "वह जॉन क्वार्ट्ज के पापो के लिए घायल हुआ। और उसे जॉन क्वार्ट्ज के अपराधो के लिए कुचला गया। और उसके कोड़े खाने से जॉन क्वार्ट्ज चंगा हुआ था।"

उसने कहा, "मैं इसे देखता हूं।" और प्रभु ने उसे चंगा किया। देखा?

99 इसमें अपना नाम पढ़ें। विलीयम ब्रन्हम के अपराधों के लिए वो घायल हुआ था। विलीयम ब्रन्हम के पापो के लिए उसे कुचला गया था। उसने इसे मेरे लिए किया, और उसने तुम्हारे लिए इसे किया। इसमें अपने नाम को पढ़ें।

100 ठीक है, वैसे ही मैं अपने—अपने लोगों के लिए वचनों को लाना चाहता हूं, यही वह है जो उसने किसी और के लिए किया जो उसका पालन करते थे। उसने जो किसी और के लिए किया वो उस कारण के लिए सत्य था, और उसने जो किसी और के लिए किया वो उस कारण के लिए असत्य था, तब आप अपना नाम इस में पढ़ लेना। यदि आप वहां पर रहते, तो आप किसकी ओर खड़े होंते? और याद रखें, आपको आज भी सौभाग्य मिला है, उसी तरह से खड़े रहने के लिए।

101 जब, नूह, उस वचन के लिए निंदा को लिया, जो परमेश्वर ने उससे बात की थी। नूह, वहां पर एक निंदा थी। नूह एक वैज्ञानिक युग में रहता था, जहां पर एक वैज्ञानिक उपलब्धियां थीं जो वे निर्माण करने में सक्षम थे, वे उन चीजो से ऊपर थे जो हमने आज निर्मित किया है। वे अधिक तेज थे, अधिक बुद्धिमान थे। उनका विज्ञान हमारे से ज्यादा विकसित था। और बस याद रखें, उसे वचन के लिए निंदा को लेना पड़ा, जिसे उसने उपहास करने वालों के सामने एक सौ बीस वर्ष प्रचार किया। उनके बडे–बडे वैज्ञानिक तरीकों से उन्हें ये साबित हुआ कि आसमान में कोई बारिश

नहीं थी। लेकिन, फिर भी, नूह ने प्रभु के वचन को सुना था, और ये उनके धारणा से विपरीत था। तो, इससे पहले उसका जीवन बचाया जा सके, उसे सामना करना ही है, और निंदा को सहना ही है, जिस बात से इन उपहास करने वालों उसे अपमानित किया।

102 ओह, इसमें कोई संदेह नहीं है, उन्हें उस दीन बूढ़े प्रचारक के प्रति खेद होना चाहिए था। उन्होंने उसे ऐसे दूर नहीं रखा या ऐसे ही कुछ, क्योंकि हो सकता है उस दिन उस प्रकार के बहुत से घर नहीं थे। वह नुकसान पहुँचाने वाला नहीं था। वह किसी को चोट पहुंचाने वाला नहीं था, इसलिए उन्होंने उसे ऐसे ही छोड़ दिया। कहते थे, "आगे जाये, उस पहाड़ी के किनारे पर बूढा कट्टरपंथी, एक जहाज को बना रहा है, जहाँ कोई पानी नहीं है। ओह, हाँ, बेचारा बूढा आदमी! लेकिन," और कह रहे है, "तुम पानी को कहाँ से लोगे, अपनी नाव तैरने के लिए, नुह? "

"यह आसमान से गिर रहा है।"

103 "बकवास। हम रडार के द्वारा चंद्रमा और सितारों पर तेजी से चढ़ सकते हैं," जो भी उनके पास था। "वहाँ पर कोई बारिश नहीं है।"

लेकिन उसने कहा, "परमेश्वर ने कहा कि वह वहां कुछ बारिश भेजने जा रहा था।"

"वह इसे कैसे करने जा रहा है? "

104 "वो करना उसका काम है। केवल एक ही चीज है, जो मुझे करना है कि आपको यहाँ से निकलने की चेतावनी दूं।"

105 यह लगभग अभी भी वैसा ही है। "आग कहाँ से आ रही है? " भाई, आज नूह के समय के मुकाबले थोड़ा सा स्पष्ट है। हम देख चुके है कि यह कहां पर है। यह आने के लिए तैयार है, बस इतना ही है। विज्ञान ने पहले से ही... इस बार कोई बहाना है ही नहीं, क्योंकि विज्ञान ने इसका कारण पहले से ढूंढ लिया है। जी हाँ, श्रीमान।

106 तो अब हम पाते हैं कि यह सचमुच एक बात थी। तो उन्हें उस बेचारे बूढ़े उपदेशक के प्रति खेद महसूस हुआ, और बस उसे जाने दिया। यह एक अजीब बात थी, शायद, उन लोगों के लिए, यह सोचकर कि एक मनुष्य जिसे बुद्धिमान होना चाहिये था, और उस परमेश्वर पर विश्वास करे, जो आकाश और धरती का सृष्टीकर्ता है और कुछ तो करेगा, या कुछ ऐसा

कहेगा जो वह करने जा रहा था, जो उनके सोचने के तरीके के विपरीत था, जो उनकी सोच थी। हो सकता है, आप इसे नहीं समझे। देखो। वे... उन्होंने सोचा कि वे हर एक प्राकृतिक चीज को उनके विज्ञान के द्वारा साबित कर सकते हैं। क्या यह इसी प्रकार का संसार नहीं है जिसमें आज हम रह रहे है, एक बौद्धिक, विज्ञान से भरा हुआ शिक्षात्मक संसार! और जो कुछ भी वे साबित कर सके, वह गलत था, परमेश्वर कहता है... "परमेश्वर कभी कुछ भी नहीं बोल सकता (था) जिसे वैज्ञानिक रूप से सिद्ध किया जा सकता है कि यह वहां पर नहीं था।"

107 अब, उनके पास आज भी यही विचार है। यदि आपका डॉक्टर आपको बताता है कि आपको कैंसर है, आपको मरना है, और विज्ञान साबित करता है कि आपको कैंसर है, और यह एक अग्रिम चरण में है, क्योंकि कुछ भी अलग सोचना नासमझ है, क्योंकि आप मर जाओगे; बस ऐसा ही है। विज्ञान कहता है कि आप मरने जा रहे हैं। उन्होंने आपकी जांच की है, और सब ऐसा ही है। तुम मर जाओगे। और वे सोचते हैं यह पागलपन है यदि आप यह कहने की कोशिश करते हैं कि परमेश्वर ने ऐसा करने की प्रतिज्ञा की है। देखो, जैसा ये था, आपको उस निंदा के लिए खडे रहना है।

108 वे कहते हैं, यदि डॉक्टर यहां कहता हैं, "हमने इसमें देखा है, और कैंसर बढ़ चूका है। हमने आपको खुला बता दिया है। यह पूरी तरह से आपके शरीर में फैला है, और आपके ह्रदय में है, आपके फेफड़ों में, आपके गुर्दों में, पूरी तरह से। यह असंभव है।"

सो, आप देखते हैं, जब आप कहते हैं, "लेकिन कुछ भी हो, वो जीने जा रहा है।"

वे कहते हैं, "ठीक है, बेचारा व्यक्ति, बस उसे ऐसे ही छोड़ दो।"

109 मुझे वो रात याद है। बिल हॉल, भाई हॉल, बिल हॉल जो मिलटाउन कलीसिया में थे, आप में से बहुत से लोगो को वो मामला याद होगा। और जब वो... उन्होंने मुझे वहां बुलाया। मेरी पत्नी, सास और मैं, यहाँ चला आये। उसने एक लड़की से शादी की जो एक बहन थी, मैं सोचता हूं, जॉर्ज कप्प की, जो शहर के मेयर थे, या यहाँ के न्यायाधीश थे। उसका... वह उसका पत्नी का भाई था। वे उसे मरने के लिए यहाँ लेकर आये। मिलटाउन के डॉक्टर, न्यू अल्बानी के डॉक्टर ने उसके बीमारी को गुर्दे

के कैंसर के रूप में पहचाना। तो मैं श्रीमती हॉल को देखने के लिए वहां गया। और उस भाई को पीलिया हो गया था, और वो पूरी तरह से पीला पड़ गया था। और मैंने कहा, "तो, मुझे लगता है कि वो मर जायेंगे।" और मैंने कहा...

110 उसने कहा, "भाई बिल, क्या कोई रास्ता है... क्या आप परमेश्वर से सुन सकते हैं? "

मैंने कहा, "मैं—मैं नहीं जानता, बहन हॉल। मैं प्रार्थना कर सकता हूं।"

111 मैंने प्रार्थना की। और मैं वापस घर चला गया, और प्रभु ने मुझे कुछ भी नहीं बताया। तब मैं वापस चला गया, अगले दिन, और मैंने फिर से प्रार्थना की।

और बहन ने कहा, "क्या आप किसी अच्छे डॉक्टर को जानते हैं? "

112 मैंने कहा, "ठीक है, हमारे परिवार के डॉक्टर डॉ सैम एडैयर हैं, जो यहां नीचे जेफ़रसनविल में है। वो—वो—वो... उसका पिता हमारे परिवार का डॉक्टर था। जवान सैम और मैं हमेशा से जिगरी दोस्त रहे हैं, और हम एक ही समय में स्कूल के लिए गए, एक साथ पले–बढे थे। हम हमेशा जब कुछ भी गलत होता है तो हम उसके पास जाते है।"

उसने कहा, "सोचती हूं कि क्या वह बिल हॉल को देखने आयेंगे? " जो उसका पति था।

मैंने कहा, "मैं उससे पूछूंगा।"

113 तो, सैम ने मुझसे कहा, "बिली, यदि डॉक्टर ने कहा कि उसे कैंसर है," कहा, "मुझे करने के लिए केवल एक चीज है, मैं उसे किसी एक विशेषज्ञ के पास भेजुंगा, जो मुझसे ज्यादा होशियार हो। और हम एक्स–रे को लेंगे; और हम उसे और अधिक परेशानी में नहीं डालना चाहते है।"

114 हमने उसे न्यू अल्बानी में भेजा और वहां डॉक्टर ने एक्स–रे को निकाला। उसे लुइसविले लेकर गये और उसकी जांच की, उसे एक एम्बुलेंस में ले गये, और उसे वापस लेकर आये।

115 तो, अवश्य ही, उसने श्रीमती हॉल को नहीं बताया होगा कि उसकी क्या तकलीफ थी, तो उसने मुझे फोन किया। उसने कहा, "वह मरने जा रहा है," कहा, "आपका प्रचारक मित्र।" कहा, "लुइसविले के विशेषज्ञ

ने मुझे अभी फोन किया, और कहा, 'डॉक्टरों ने निरक्षण किया... वहां मिलटाउन में; और न्यू अल्बानी के डॉक्टर; सही प्रकार का निरक्षण किया।'" और कहा, "यह गुर्दे का कैंसर है, और यह बढ़ चूका है। और, बिली, हम उस व्यक्ति के गुर्दे को काटकर बाहर नहीं निकाल सकते हैं और उसे जीवित रखे।" कहा, "वह मरने जा रहा है। और यदि वह एक प्रचारक है, उसे तैयार रहना चाहिए।"

116 मैंने कहा, "सवाल यह नही है। लेकिन वो लगभग पचास से ज्यादा उम्र का नहीं है, सो अब भी उसके पास फिर भी प्रचार करने के लिए बहुत सारा जीवन है।" और मैंने कहा, "तो, यदि वह मरने जा रहा है, तब इससे मामला खत्म हो जाता है। धन्यवाद, डॉ सैम।"

117 और मैं नीचे गया और श्रीमती हॉल को फोन किया, और मैंने उसे बताया। मैंने कहा, "श्रीमती हॉल, सैम ने कहा कि लुइसविले के निरक्षण में वही बात सामने आयी थी, जैसे यह न्यू अल्बानी और मिलटाउन में था। वो व्यक्ति मर रहा है। भाई हॉल मरने जा रहा है। और उसे गुर्दे में कैंसर है, और यह बढ़ चूका है।"

118 और सो उसने रोना आरंभ कर दिया। मैंने मुड़कर, उसके साथ प्रार्थना की। और वह तब अपने आप में इतना खो गया था, यहाँ तक कि उसे पता भी नहीं था कि मैं कमरे में था।

119 तो, मैं वापस आ गया। और उन दिनों में बहुत से लोग घर में आये थे। वहां कोई और कार्य क्षेत्र में नहीं था। यह बहुत अधिक दूषित नहीं हुआ था, और लोग हर जगह से आ रहे थे।

120 मैं थोड़ा आराम करना चाहता था। तो मैं सोने चला गया, सुबह जल्दी उठ गया, लगभग ढाई, या तीन बजे। भाई वुड अभी तक उस रास्ते पर नहीं आये थे। और मैंने रास्ते पर देखा, और वहां कोई नहीं था, वहां कोई भी नहीं था, तो मैंने अपनी पुरानी टोपी को लिया और मेरे निजी कमरे में चला गया, और मेरी .22 पिस्तौल को लिया। और मुझे बाहर निकलना था और गिलहरी का शिकार करने जाना था, मैं लगभग आठ बजे तक पहुँच गया, और फिर कहीं तो एक पेड़ के नीचे लेट गया और मैंने थोडी सी नींद ली। आपको यह घर के आसपास नहीं मिल सकती।

121 मैंने अपनी टोपी को निकाला और अपने कमरे की ओर जाना आरंभ किया। दीवार पर एक सेब लटक रहा था। और यह सबसे सडा हुआ सेब था। यह कीड़ो का खाया हुआ था, और यह जटिल हुआ था, और यह पूरी तरह से पपड़ीदार हो गया था। और मैंने सोचा, "मेडा ने इसे दीवार पर किसलिए लटका दिया है? "

122 और मैंने फिर से देखा, और यह दीवार पर नहीं था। यह हवा में लटक रहा था। मैंने अपनी पुरानी टोपी को झटके से उतारा, पिस्तौल को कोने में रख दिया, और अपने घुटनों में गिर गया। मैंने कहा, "हे परमेश्वर, आपके पास अपने दास को बताने के लिए क्या है? "

123 नीचे एक और सेब उतर कर आया, एक और, जब तक चार या पांच सेब नहीं हो गए, (मैं अब भूल गया था कि यह कौन सा था) वहाँ लटका हुआ। फिर एक बहुत ही बड़ा, सुंदर सेब, इसमें धारियां थी; बस एक बहुत ही बड़ा, ताजा दिखने वाला सेब, नीचे आ गया और उन अन्य सड़े हुए दिखने वाले सेब को टुकड़े–टुकड़े कर दिया। और उसने कहा, "उठो। अपने पैरों पर खड़े हो जाओ।" कहा, "जाओ, बिल हॉल को बताओ कि वो नहीं मरेगा। वह जीयेगा।"

124 ओह, जितनी जल्दी मैं दौड़ सकता था मैं दौडा, और मैंने कहा, "श्रीमती हॉल, मेरे पास यहोवा यों कहता वाला वचन है। वो जीयेगा।" और उसने मुझे सुना। और वह रोने की कोशिश कर रहा था, और वह और बात नहीं कर सका।

125 मैं वापस आ गया और सैम को फोन किया। और मैंने कहा, "सैम, हमारा—हमारा भाई जीयेगा।"

उसने कहा, "वह इस तरह कैसे जी सकता है? "

126 मैंने कहा, "यह सोचना मेरा काम नहीं है। परमेश्वर ने ऐसा कहा है। बात ख़त्म।"

127 वह आज जीवित है। यह लगभग दस वर्ष पहले हुआ है। वैसे ही तंदरुस्त और स्वस्थ। तब उसके बाद उसकी पत्नी की मृत्यु हो गई है। उसने फिर से विवाह कर लिया।

128 जॉर्ज राइट के साथ इसी तरह से हुआ, और हम बहुत से और लोगो के लिए कह सकते हैं, जो हम बता सकते हैं? यह क्या है? यह निंदा के लिए खड़ा होना है। वे हंसते है और मज़ाक उड़ाते है।

129 मुझे याद है कि 37 के बाढ़ से पहले। मैं वहां फॉल्स सिटी ट्रांसफर कंपनी के साथ खड़ा था, और उन्हें बता रहा था, वहां बत्तीस फीट पानी होने जा रहा था, मेरा मानना है कि यह स्प्रिंग मार्ग पर था। उन्होंने मेरी हंसी उड़ाई। उन्होंने कहा, "बेचारा बिली। मुझे लगता है कि वह... वह बच्चा है!" मैं तब केवल एक लड़का ही था। उसने कहा, "बिली एक अच्छा बच्चा है। यह एक शर्म की बात है कि वो सब बातों को मिला देता है।" मैंने नहीं मिलाया था। मैंने *इसमें* बपतिस्मा लिया था, मैंने बातों को नहीं मिलाया। मैं बस "अंदर" था। और यह उसी तरह से घटित हुआ था।

130 मैं जब से बात कर रहा था, मैंने देखा कि बहन हैटी राइट, मैं सोचता हूं, वो वहां पीछे बैठी हुई है। वो भाई बिल हॉल के उस विषय के बारे में याद करती है। बहुत से। यहां कितने लोग आज सुबह उपस्थित हैं, जो इस विषय को याद करते हैं? ओह, प्रभु! निश्चय ही। आप बहुत से लोग याद करते है।

131 अब, वे हमारे लिए खेद महसूस करते हैं, किसी के लिए भी खेदित महसूस करते है, जो वचन को पकडे रहने की कोशिश करते है, मजाक उड़ाने वालो के दिनों में। लेकिन, याद रखें, निंदा को आना ही है। यह हमेशा इसी तरह से रहा है। उन्होंने अवश्य ही सोचा होगा, जैसा कि उन्होंने तब किया, वो परमेश्वर, कुछ भी वैज्ञानिक रूप से साबित होने के बाद, वो परमेश्वर कुछ भी विज्ञान के विपरीत नहीं कहेगा। अच्छा, यही है वो जो उसे परमेश्वर बनाता है। यदि वह केवल विज्ञान के अनुसार चला जाता, तो यह उससे अधिक नहीं होगा बस जो मनुष्य हासिल कर सकता है। लेकिन, वो परमेश्वर है। वो—वो विज्ञान का सृष्टिकर्ता है। वो कर सकता है जो वो चाहता है।

132 उन्होंने अवश्य ही सोचा होगा, "बेचारा बूढा नूह, ठीक है, उस बूढ़े मनुष्य को अकेला ही रहने दो। वो उन सारे मजे को छोड़ रहा है, जो इन दिनों में हमारे पास है, तो उसे अकेला ही रहने दो।" यह लगभग अब वैसा ही है।

133 लेकिन, अब, मैं ठीक यहाँ एक और बात कहना चाहता हूं। अब, हम पीछे मुड़कर देखते हैं और उसके विश्वास की प्रशंसा करते है। लेकिन मैं सोचता हूं, यदि हम उस दिन रहते थे, तो क्या हम उसी तरह खड़े रहे थे जैसे नूह खड़ा था? क्या हम कर सकते है और निंदा के लिए खड़े रहने की इच्छा रखते है जो सत्य के लिए होती है? जब, वे सारे दुनिया में लाखों लोग थे उस समय, वहां केवल नूह और उसका परिवार ही था, जो उस सत्य के लिए खड़ा था। क्या आपने इसके बारे में सोचा? केवल वही मनुष्य और उसके तीन बेटे, और उसके बेटो की पत्नियाँ, उसकी पत्नी, केवल वे ही एक थे, जो उस सत्य के लिए खड़े थे। लेकिन उनके पास यहोवा यों कहता है, वाला वचन था। हम पीछे मुड़कर देखते हैं और उसकी प्रशंसा करते है। क्या हम इसे फिर से सोच सकते हैं?

मुझे इन बच्चो के उपहारों की वजह से जल्दी करना पड़ेगा।

134 अब्राहम, *अब्राहम* शब्द का अर्थ है "बहुतों का पिता," उसे "एक राष्ट्रों का पिता" बनाता है।

135 अब, अब्राहम ने परमेश्वर के वचन को सुना। अब्राहम एक भविष्यवक्ता था, और उसने परमेश्वर के वचन को सुना। और हम अब्राहम की प्रशंसा करते हैं, परमेश्वर के वचन को थामने के लिए; कैसे वह खुद उसके रिश्तेदारो अलग हो गया; अब्राहम के लिए यह कितना मुश्किल था। उसे वहां लाया गया था। बाबेल से वहां आ गया, और—और वहां में नीचे उस शिनार देश में और वो—वो—वो कसदियों की भूमि, ऊर शहर में, जहां उसके सभी सहयोगी थे, वे लोग जो उसके साथ कलीसिया जाते थे, और इत्यादि। लेकिन परमेश्वर ने कहा, "खुद को अलग करो।" ओह, प्रभु! यह क्या ही भयानक बात थी, उन सबको छोडना जिन प्रिय लोगो को वो पकडे हुए था, वो सब कुछ जो उसके लिए वास्तविक था, जिन प्रिय लोगो को वो पकडे हुए था। और परमेश्वर ने उसे बताया, "खुद को अलग करो।"

136 और उसे एक बहुत ही अजीब बात को देता है। "तुम्हे तुम्हारी पत्नी के जरिये से एक बालक होने जा रहे हैं।" और वह पच्चतर वर्ष का था, और वह पैसठ वर्ष की थी। यह बंद हो गया जैसे महिलाओं के साथ होता है महिलाओं को बच्चो को लाने के लिए वर्षो तक होते थे। और यहां, उसके साथ रहने के बाद जब वो एक लड़की थी, क्योंकि वह उसकी दूर की बहन

थी, और फिर वह कैसे कभी बालक को ला सकता थी? और अब आप अब्राहम के लिए कल्पना कर सकते हैं, वो उसके मिलने–जुलने वालो के बीच जाकर, और कह रहा है, "हमें एक बालक होने जा रहा है, सारा और मुझे"? क्या आप यह कल्पना कर सकते हैं?

137 क्यों, लोगों ने कहा, "बेचारा बूढा मनुष्य, उसके साथ कुछ तो गलत हुआ है।"

138 यह एक निंदा है, लेकिन अब्राहम इसे पकडे हुए था। और जब वह एक सौ वर्ष का बूढा हो गया, वह परमेश्वर की प्रतिज्ञा पर कभी भी डगमगाया नहीं। वो अब भी निंदा के लिए खड़ा था, निश्चय होकर, इसे पकडे हुए था।

139 आपने वहां अंतर को देखा? सारा ने अब्राहम को मेरा मतलब, या परमेश्वर को देने की कोशिश की, जो उसके द्वारा एक थोड़ी सी सहायता को देने की। उसने सोचा, आप यह जानते है, कि, अन्यथा तब परमेश्वर ने क्या प्रतिज्ञा की थी। "अब, तुम जानते हैं, मैं एक बूढी स्त्री हूँ, लेकिन यहां हाजिरा एक सुंदर स्त्री है। अब्राहम को भी उससे विवाह करने में कोई संकोच नहीं होगा। सो, आप जानते हैं, इससे—इससे परमेश्वर को सहायता मिलेगी। इससे परमेश्वर को सहायता मिलेगी, क्योंकि यहाँ हाजिरा, वह शायद केवल बीस वर्ष की उम्र की है। वह मेरी दासी है। और आप जानते हैं कि मैं क्या करूँगी? मैं उसे अपने पति को दे दूंगी, एक पत्नी होने के लिए," कारण बहुविवाह वैध था। तो उसने कहा... "मैं उसे दे दूंगी, और उसे मेरे पति के द्वारा एक बालक होगा, और फिर मैं बालक को ले लुंगी और वही वो एक है, जिसकी परमेश्वर की प्रतिज्ञा की है।"

140 आप देखे, हम हमेशा कुछ करने की कोशिश करते हैं; उसके लिए इंतजार नहीं कर सकते है। हम कुछ तो अपने आप से करते है। हो सकता है शायद यह अच्छा होगा। वो हो सकता है वो दिखने में सुंदर रही हो। ये दिखने में बहुत ही अच्छा लग सकता है, लेकिन यह वचन के अनुसार नहीं था। परमेश्वर ने अब्राहम से कहा, "बालक सारा के जरिये आएगा।"

141 याद है कि उसने छोटे झुंड के बारे में क्या कहा? "ये चिन्ह उनके पीछे जायेंगे जो विश्वास करते हैं।" "जैसा यह नूह के दिनों में था, वैसा ही मनुष्य के पुत्र के आने पर होगा, जिसमें कुछ ही, यहां तक कि आठ प्राण

ही बचाये गए।" वे वचन टल नहीं सकते हैं, तो आइए हम खुद को नजदीक से देखें और वचन के साथ बने रहे। ठीक है। समझे?

142 लोग हमेशा कुछ तो निर्माण करने का प्रयास करते हैं, परमेश्वर के रचनात्मक इच्छा के स्थान को लेने के लिए। आप देखते हैं, जैसा कि मैं अक्सर कहता हूं, और हो सकता है कलीसिया के सामने, पहले ही, आप जानते हैं कि आप भेड़ों से नहीं पूछ सकते, "क्या तुम मेरे लिए कुछ ऊन निर्माण करोगे? " नहीं, वह ऐसा नहीं कर सकता। अब, एक बकरी ऊन का निर्माण नहीं कर सकती, क्योंकि उसकी प्रकृति उसे नहीं करने देगी। कोई फर्क नहीं पड़ता आप एक बकरी पर एक भेड़ की ऊन को बांधने की कोशिश करें, यह काम नहीं करेगा। एक बकरी ऊन का निर्माण नहीं कर सकती, और एक भेड़ बालों का निर्माण नहीं करता है। लेकिन उसके पास ऊन होता है क्योंकि वह एक भेड़ है। यही है वो जो उसे बनाता है। वह निर्माण नहीं करता।

143 हमें आत्मा के फलो का निर्माण नहीं करना चाहिए। हममें तो आत्मा के फल फलना चाहिए। सेब का पेड़ सेबो का निर्माण नहीं करता है; यह तो केवल इसमें फलता है क्योंकि यह तो एक सेब का पेड़ होता है।

144 और यदि हम कुछ भी निर्माण करने की कोशिश करते हैं, कहते है, "मैं इस कार्य के लिए सहायता करूंगा। मैं शिक्षा संस्था में दस साल के लिए अध्ययन करूँगा। मैं *यह* सीखूंगा, *वह*, या *कुछ* और, और मेरे बैचलर ऑफ आर्ट और मेरी डॉक्टर की डिग्री प्राप्त करूँगा। मैं सिर्फ परमेश्वर की सहायता करूंगा।" यह काम नहीं करेगा।

145 परमेश्वर, पहले से ठहराये जाने के द्वारा बुलाता है, जिसे वो चाहता है। वह उसे राज्य को देता है, जिसे वो इसे देना चाहता है। हमने इसे नबूकदनेस्सर के द्वारा सीखा।

146 हमने यिर्मयाह के द्वारा—द्वारा सीखा। जब परमेश्वर ने उसे यह प्रभु के वचन के द्वारा बताया, कि एक समय आने वाला था इस्राएल सत्तर वर्षो के लिए बाबुल के अन्दर ले जाया जायेगा। यहाँ एक और भविष्यद्वक्ता आता है। उसने पहले से ही उसे बताया, कहा, "अब, तुम्हारे पास भविष्यद्वक्ता होंगे, जो उठ खड़े होंगे। और वे तुम्हे वहां नीचे बाबुल में मिलेंगे, जो उठ खड़े होंगे,

और स्वप्न देखने वाले और भविष्यद्वक्ता, जो इसके विपरीत भविष्यवाणी करेंगे। लेकिन लोगों से कहना कि उन लोगों की ना सुने।"

147 और एक व्यक्ति ऊपर आता है, जो भविष्यद्वक्ताओं में से एक था, जिसका नाम हनन्याह था। और जब यिर्मयाह उसकी गर्दन पर जुए को लिए हुए वहां पर खड़ा था, वहां हनान्याह आता है, कहा, "यह यहोवा यो कहता है; इन पूर्ण दो वर्षो में, प्रभु के सारे पात्र... " अब, मूल रूप से, यह बहुत अच्छा दिखाई दिया। "परमेश्वर उसके लोगों को आशीष देने जा रहा है। वह ठीक पूरी तरह से हर एक चीज को दो वर्षो में वापस लाने जा रहा है।"

148 और बाइबल ने कहा, यहां तक कि यिर्मयाह भविष्यद्वक्ता ने भी कहा, "आमीन। आमीन, हनान्याह, होने पाये प्रभु आपके शब्दों को पूरा करे। लेकिन हमें कुछ तो सोचना होगा, हनान्याह। हमसे पहले भी भविष्यवक्ता रहे हैं, और उन्होंने युद्ध के महान राष्ट्रों के खिलाफ भविष्यवाणी की, और इत्यादि। लेकिन याद रखना, भविष्यव्यक्ता उसकी भविष्यवाणी के प्रकट के होने बाद ही जाना जाता है।" देखा?

149 तब हनन्याह उठकर यिर्मयाह की गर्दन से जूए को पकड़कर सारे याजको और सभा के सामने नीचे गिरा दिया, लगभग हो सकता है डेढ़ लाख लोग थे। और उसने जुए को लिया जो परमेश्वर ने यिर्मयाह की गर्दन पर एक चिन्ह के लिए रखा था, और हनन्याह ने उसे तोड़ कर टुकडे कर दिया, और उसे उसके पैरों पर फेंक दिया, केवल जोश में आकर, और कहा, "यहोवा यो कहता है; दो वर्षो में, वे वापस आ जायेंगे।"

150 यिर्मयाह ने उसे तब देखा। यह वचन के विपरीत था, तो वो तब वहां से चला गया। और परमेश्वर ने कहा, "वापस जाकर और उससे कहो," कहा, "मैंने कभी भी उससे बात नहीं की है।"

151 वह केवल जोश में था। वो अपना खुद का प्रभाव डालता था। समझे? वह कभी भी रुका नहीं, जब तक उसने वास्तव में देख नहीं लिया और इसे जान नहीं लिया कि यह वो नहीं था, यह तो परमेश्वर था जो बोल रहा है। वह वापस चला गया, वो पूरी तरह से जोश में था। यदि...

152 हम इसे आज दुसरे देशो में देखते हैं। हमारी टेपों में से एक, जिसे हाल ही में एक घर में चलाया गया, जहां सेवको के एक झुण्ड ने ठीक

तभी स्वीकार कर लिया, और वे यीशु मसीह के नाम पर बपतिस्मा लेने के लिए आ रहा थे। और एक व्यक्ति कमरे में उठकर खड़ा हो गया, जिसने अन्य भाषा में बात की और कहा, "यहोवा यों कहता है। आपको जो मिला है उसे पकडे रहो। बस जारी रखें, और आगे बढते चले, और मैं तुम्हे आशीष दूंगा।"

153 उन्होंने कहा, "ठीक है, यदि परमेश्वर ने इसे कहा, मुझे लगता है कि ऐसा ही है।" आप देखते हैं, इसकी वचन के साथ जांच नहीं की गयी। इसे पहले वचन को लेना है। वहां आप हैं। यह वचन के विपरीत था।

154 यहाँ यिर्मयाह वापस आता है, जो अभिषिक्त भविष्यद्वक्ता था। परमेश्वर ने उसे बताया, कहा, "मैं जानता हूं कि हनान्याह ने तुम्हारी गर्दन पर से लकड़ी के जुए को तोड़ दिया, जिसे मैंने रखा, लेकिन मैं लोहे में से एक जुए को बनाऊंगा।" उसने कहा, "और ये सारे राष्ट्र जो मेरे दास नबूकदनेस्सर की सेवा करने के लिए चले गए हैं," और वह एक मूर्तिपूजक था। देखा? और इस्राएल, अपने सारे बलिदान को चढाते थे, लेकिन वे नहीं थे... समझे?

155 परमेश्वर ने एक प्रतिज्ञा की, कि वो आशीष को देगा, लेकिन वे आशीषे शर्तों के अंतर्गत मिलेगी। और आपको उन शर्तों को पूरा करना होगा, उस काम को करने के लिए।

156 कुछ समय पहले, एक प्यारी लड़की के साथ बैठा हुआ था। सबसे पहले, मैंने उस परिवार के माध्यम से खोजा, यह देखने के लिए कि क्या कुछ गलत है या नहीं। परमेश्वर चंगा करेगा, लेकिन यह शर्तों के अंतर्गत है। देखा? केवल एक चीज है जो मैंने देखा, माँ डरी हुई थी कि दवा लेना यह गलत था। मैंने कहा, "ऐसा मत सोचो, बहन। इसे अपने दिमाग से निकालो दो। बालक के साथ सीधे आगे बढ़ो। उसे दवा दे दो। परमेश्वर इसे ज्ञात करवायेगा।" देखा?

157 अब, लेकिन, बात यह है कि देखना है, जानना है। और फिर, क्या यह यहोवा यो कहता है, वाला वचन है, तो ठीक है।

158 अब हम यहां देखते हैं कि, ये लोग, वे कुछ तो निर्माण करने की कोशिश कर रहे थे; हाजीरा और—और सारा, अब्राहम की सहायता करने के लिए, परमेश्वर की सहायता करते हैं ताकि उसकी प्रतिज्ञा सत्य हो जाये। आप

ऐसा नहीं कर सकते है। ऐसा करने का कोई भी तरीका है ही नहीं। ये—ये हर एक बात के विपरीत है। परमेश्वर का वचन किसी भी तरह घटित होने जा रहा है। आपको केवल वचन पर खड़ा होना है, और कहना है, "यह *इसी* तरह से है," और वचन को पकडे रहना है। अब, ध्यान दे, उसके वचन के स्थान को लेने के लिए कुछ तो निर्माण करना!

159 हो सकता है अब्राहम के मित्र भी, यदि हमने कभी ध्यान दिया हो, हो सकता है, अब्राहम के मित्र उसके पास आये हो, और कहा हो, "तो ठीक है, राष्ट्रों के पिता, अभी तुम्हारी कितनी संताने हैं?" जब वह सौ वर्ष का था। "कहो, राष्ट्रों के पिता, बहुतो के पिता, अभी तुम्हारी कितनी संताने हैं?" उपहास उड़ाने वाले!

160 अब, क्या आपने उस समय को नहीं देखा है? क्या हमने इसे देखा नहीं है, जब कभी–कभी हम किसी चीज के लिए प्रार्थना करते है, ऐसा नहीं हुआ होता है?

161 वे कहते हैं, "यहां वो एक बूढा व्यक्ति बैठा रहता है।" "वह अंधा है। वह बहरा है। वह गूंगा है। वह बीमार है। उसने *ऐसा* किया है। वहां जाओ और उसे चंगा करो, तुम दैविक चंगाई करने वाले हो। तब हम इसे विश्वास करेंगे।"

162 क्या उन्हें पता है कि यह वही शैतान है जिसने कहा, "क्रूस से नीचे उतर कर आ, और मैं तुम पर विश्वास करूंगा। इन पत्थरों को रोटी में बदल दे, और मैं इसे विश्वास करूंगा"? देखा? वही शैतान जिसने हमारे प्रभु की आंखों के चारों ओर एक कपडे के टुकड़े को बांध लिया, और उसे एक छड़ी से सिर पर मारा, और कहा, "अब, यदि तू एक भविष्यद्वक्ता हैं, तो बता किसने तुझे मारा, और हम तेरा विश्वास करेंगे।"

163 तो, आप जानते है कि वह जानता था कि उसे किसने मारा। वह उन पत्थरों को रोटी में बदल सकता था। या, वह क्रूस से नीचे आ सकता था। लेकिन यदि वो करता था तो हम आज क्या होते? देखा? वे परमेश्वर की योजना के बारे में नहीं जानते हैं। आपको पता लगाना चाहिए कि परमेश्वर ने क्या प्रतिज्ञा किया है।

अब मुझे जल्दी करना चाहिए।

164 अब, उन्होंने हो सकता है, कहा होगा, "राष्ट्रों के पिता, हमने आपको पच्चीस वर्ष पहले कहते सुना है, कि आपको सारा के जरिये से एक बालक होने वाला था, और उसमें से लोगों के राष्ट्र आने वाले थे। तब इस समय तुम्हारे पास कितनी संतान है, राष्ट्रों के पिता? " हूह! देखा? ऐसा वही पुराना निंदा करने वाला आत्मा जो निंदा करेगा।

165 अब्राहम ने क्या किया? कहा, "वह प्रतिज्ञा पर डगमगाया नहीं, अविश्वास में होकर।"

"क्यों, यहां आपने *फलां–फलां* के लिए प्रार्थना की, और वे चंगे नहीं हुए।"

166 इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। यदि मैं आज रात दस हजार के लिए प्रार्थना करता हूं और दस हज़ार सुबह मर जाते है, तो फिर भी मैं कल रात को बीमारो को अभिषेक करूंगा और उनके लिए प्रार्थना करूंगा। परमेश्वर ऐसा कहता है। ये जरा भी नहीं रुकता है। परमेश्वर ने प्रतिज्ञा की है। मुझे विश्वास है। निश्चित रूप से। कोई फर्क नहीं पड़ता कि वे अब भी क्या कहते हैं। लेकिन, वे मजाक उड़ायेंगे। यही वचन के लिए निंदा है।

167 अब्राहम, परमेश्वर के वचन पर खड़ा रहा, आखिरकार यह पूरा हुआ था। ओह, प्रभु!

168 बांझपन के मजाक उड़ाने को देखें। उपहास किया गया, और पहले निंदा की गई। उनके पास... उसे बांझ होने की निंदा को लेने के लिए उन सारे वर्षों में खड़ा रहना था। वह लगभग सौ वर्ष की आयु की थी। वह नब्बे वर्ष की थी, परमेश्वर के वचन के साथ जिसने कहा कि वो *राजकुमारी* भी होगी, जो इस एक बालक की मां होगी। और वो और अब्राहम, बांझपन, उन—उन दोनों के शरीर बेजान भी थे, लेकिन फिर भी उन्होंने उस वचन पर कभी भी संदेह नहीं किया, जरा भी नही। लेकिन उन्हें पहले खड़ा होना था। और उसके बाद, हाल्लेलुय्या, परमेश्वर ने उसका वचन रखा, उस अंधकार के समय में: इसहाक का जन्म हुआ था। "और उसका बीज समुद्र के बालू के जैसे या आकाश के सितारो के जैसा होगा।" देखा? परमेश्वर हमेशा उसके वचन का उत्तर देता हैं। हाँ। पहले बांझपन, उसके बाद इसहाक।

169 वैसे ही जकरिया और इलीशिबा, वो बूढ़ा पुरुष और बूढ़ी महिला थी, वे अभी भी पकडे हुए थे। और जब जकरिया वहां आता हैं, और उसकी पटिया पर लिख कर बता सका, और कहा, "एक दूत ने मुझसे मुलाकात की, मुझे बताया कि मैं यहाँ अपनी बूढी पत्नी इलीशिबा से बालक को लाऊंगा। मैं अब बात नहीं कर सकता हूं। मैं गूंगा हूँ। मैं बालक के जन्म होने के दिन तक गूंगा बना रहूंगा। लेकिन एक बालक आ रहा है, और वह सब से उच्च भविष्यव्यक्ता बनने जा रहा है। वह सुबह के तारे का परिचय करवाएगा। वह मसीहा का एक अग्रदूत होगा।" यह भला ऐसे कैसे हो सकता है?

170 किसी ने कहा, "बेचारा बूढा मनुष्य। ओह, मुझे—मुझे लगता है कि उसके दिमाग में थोड़ा सा असर हो गया है, आप जानते हैं। कुछ तो थोडा हो गया है। लेकिन वहां उस बूढी इलीशिबा को देखो, जो लगभग अस्सी वर्ष के आसपास है। और जकरियास को देखो—देखो—देखो, जिस तरह से बूढा है और हिल रहा है, और फिर वह इस तरह की बात कहता है। खैर, बेचारा बूढा मनुष्य।"

171 लेकिन उसके पास परमेश्वर का वचन था। इस तरह की निंदा, उसने खुद को कई दिनों तक छिपाये रखा। लेकिन वह वचन के साथ बने रहा। ओह, प्रभु!

172 लोकप्रियता को अस्वीकार करते हुए, लोकप्रिय विचार को अस्वीकार करते हुए, उस दिन की शिष्टता को अस्वीकार किया, और उनके दिन की शैलियों और चीजों को अस्वीकार किया। उन्होंने इसे अस्वीकार किया। उन्होंने अविश्वासियों की भीड़ के साथ चलने से अस्वीकार किया। उन्होंने संसार की चीजों को अस्वीकार कर दिया। उन्हें ऐसा करना था, ताकि परमेश्वर के वचन के साथ बने रहे। उन्हें इसे करना था।

173 उसी तरह से आज है। आप हर चीज से अलग होते हैं, सिवाय परमेश्वर और आप। ये ऐसा नहीं है कि कलीसिया क्या करता है। यह तो आप परमेश्वर के साथ क्या करते हैं। समझे? यह तो आप है, एक व्यक्तिगत रूप में। जी हाँ।

174 लेकिन देखो परमेश्वर ने उसे क्या दिया। जब यीशु खुद आया, जकरियास चला गया था, इलीशिबा भी चली गयी। लेकिन जब उनका पुत्र जंगल में यहोवा यो कहता है, के साथ आया, यीशु के साथ, यीशु ने

कहा, "जो स्त्रियों से जन्मे हैं, उन में से उस पुरुष से कोई बड़ा नहीं हुआ।" आमीन। क्या? उसने बांझपन को निंदा को सहा। वह वचन पर रुकी रही, और ऐसे पुत्र को जन्म दिया।

175 पहले के उस सारा की तरह, पहले उस अब्राहम की तरह, बूढ़े दम्पति इसे पकडे हुए थे। देखो, जो ज्यादातर पैदा हुए थे, "समुद्र के रेत की तरह," संसार में लोगों की एक जाति भी नहीं जितने की वे यहूदी है। "समुद्र की रेत की तरह या आकाश के सितारे।" क्या हुआ था? ये थोड़ी गिनती में हुआ, एक बालक।

176 अब आप देखते हैं कि मैं कहां जा रहा हूं। एक बालक, इसी ने सब कुछ ले लिया। ये एक बालक को लेता है, ताकि राष्ट्रों को हिला दे और मसीहा की ओर संकेत करता है। एक को ले लिया, जो आज्ञाकारी है। ये सही है। परमेश्वर को सिर्फ एक मनुष्य की आवश्यकता है। यही वो सब है, जो उसकी आवश्यकता है, कहीं तो उसकी एक आवाज हो सकती है। यही वो सब है जिसे वो चाहता है, एक मनुष्य को उसके नियंत्रण में ले। ओह, वो एक मनुष्य को लेने के लिए कितना पसंद करता है!

177 उसने एक समय एक नुह को मिला। उसने एक समय एक—एक मूसा मिला। उसने एक—एक यिर्मयाह को लिया। उसने एक—एक एलिय्याह को लिया। उसने एक एलीशा को लिया। उसने एक यूहन्ना को लिया, वह—वह लेता है... उसने एक शिमशोन को लिया। जब तक वह एक मनुष्य को उसके नियंत्रण में सकता है, यही उसकी आवाज़ होती है। वो इसके जरिये से बात कर सकता हैं। वह संसार को दोषी ठहरा सकता है। ओह, प्रभु!

178 किस तरह परमेश्वर इच्छा को रखता और आगे बढ़ता है एक मनुष्य को अपने नियंत्रण में लेने के लिए, "कि मैं उसके जरिये से बात कर सकता हूँ। मैं अपनी आवाज़ को ज्ञात करवा सकता हूं। भले ही उसे एक निंदा के लिए खड़े रहना पड़े, लेकिन मैं अपनी आवाज़ को ज्ञात कराऊंगा।" समझे? ओह, जी हाँ।

179 पहले बांझपन। बाँझ होना है, बांझपन की निंदा को लेने के लिए खडे रहना है। सारा को इसके लिए खडे रहना था। वैसे ही जकरियाह और इलीशिबा को भी इसके लिए खडे रहना था।

180 देखो, आज। अब मैं कुछ कहने जा रहा हूँ। आज वेश्य की संतानों की ओर देखे। उसने राष्ट्रों को संप्रदाय के राजनीतिक शासन के नीचे ले लिया है, वेश्य और उसकी पुत्रियां। देखो क्या एक संप्रदाय की पीढ़ी बढ़ गयी है, और धर्मी कितने कम हैं। आप चिंता ना करे। वचन के साथ बने रहे। ये ठीक है।

181 आपका उपहास उड़ाया जायेगा, पवित्र–पाखंडी कहेंगे। आपको वो सब कहकर बुलाया जा सकता है, किसी भी प्रकार का बुरा नाम। लेकिन, ठीक वहीं बने रहो, ये वो वचन है, वचन के लिए निंदा को लेना, ये ही वो चीज़ है, जो वे आपके बारे में कहेंगे।

182 एक जवान पुरुष, वह आज सुबह यहाँ हो सकता है। वह मेरा एक मित्र है; जिम पोल, नौजवान जिम, उनके—उसके लोग। उससे एक दिन पूछा गया था। तो, उसने यहां बपतिस्मा लिया था। किसी ने उससे कहा, "यदि तुम एक कलीसिया में बपतिस्मा लेने जा रहे थे, तो तुम किसी एक बडी कलीसिया में क्यों नहीं गये?" देखा? लेकिन उसने उजियाले को देखा। ऐसा ही था। समझे?

183 "अधर्मी की संतान धर्मी की संतान से कही अधिक हैं।" जी हाँ। तो ठीक है। वे धर्मी कितने कम हैं! देखिए, नूह के दिन में कुछ मुट्ठी भर ही थे। देखा? देखो सदोम के दिनों में ये कितने थे। देखा? धर्मी कितने कम हैं!

184 वेश्य की कितनी संतान हैं! वो संतानों को बस किसी भी पुराने तरीके से लाती है, लेकिन वे सभी नाजायज संतान हैं। वेश्य, वेश्य को लेकर आती है। कुत्ता, कुत्ते को लेकर आता है।

185 और मसीह अभिषिक्त को लेकर आता है। बाइबल धर्मी जन को लेकर आती है, इसलिए हमें छोटे झुण्ड होने के विचार के साथ खड़ा होना है। यह क्या ही अनुग्रह से भरी हुई बात है!

186 उस महान इफिसीयो कलीसिया को देखो, इसमें केवल बारह लोग थे। जो हाँ। देखो आज हमारे पास क्या ही एक झुण्ड है, उनके पक्ष में। हाँ।

नूह के दिनों में केवल आठ ही प्राण थे।

187 लूत के दिनों में केवल पांच ही थे, नहीं, चार थे; लूत और उसकी पत्नी, उनकी दो पुत्रियां और वह बाहर निकलने के बाद पत्थर के खंभे में बदल गई, पीछे मुड़कर देखने से। असल में, उस दिन तीन बाहर आये थे।

188 और यीशु ने कहा, "जैसा कि उन दिनों में था।" ये हमारे हित के लिए है कि देखे और सावधान हो जाये। धर्मी कितने कम हैं! लेकिन, जैसे हमेशा ही, उपहास उड़ाने वाले निंदा करेंगे। बांझ... पहले, बांझपन की निंदा के लिए खड़े रहे। प्रभु!

189 मुझे अब जल्दी करना होगा। मैं... मैं नहीं... इन बच्चो की सहायता करना चाहता हूं। केवल थोड़ा सा मेरे साथ धीरज धरे। समझे?

190 पुरुष हमेशा से ही एक जैसे होते हैं। अब मैं फिर से कुछ कहने जा रहा हूँ। और मैं तुम्हें चाहता हूं आप... और मुझे नहीं पता कि यह टेप किया जा रहा है, या नहीं। लेकिन यदि यह टेप पर है, तो मैं चाहता हूं कि आप टेप पर मुझे सुनें। आप इसे भूलना मत, लेकिन इसका अध्ययन करना। मनुष्य अब ऐसा ही है जैसे वह हमेशा से रहा है। वो परमेश्वर की स्तुति करता है, उसके लिए जो परमेश्वर ने किया है; आगे देखता है कि वह क्या करेगा हैं; और अनदेखा करता है जो वो कर चूका और कर रहा है। वह परमेश्वर की प्रशंसा करता है उसके लिए, जो परमेश्वर ने किया है; वह आगे की ओर देखता है कि वह क्या करेगा; लेकिन वह उसे अनदेखा करता है जो परमेश्वर कर रहा हैं, और वहां पर वो सारी चींजो को खो देता है। मैं आशा करता हूं कि वे इसे समझ जायेंगे। देखा? अनदेखा करते है जो वो कर रहा है! वो जानता है कि उसने क्या किया है; और वह प्रतिज्ञा को जानता है कि वह क्या करेगा; लेकिन वह यह देखने में असफल हो जाता है कि वह क्या कर रहा है।

191 ओह, आप जो पेंटीकोस्टल है, क्या आप इसका उदाहरण नहीं हैं! आप आगे कुछ होने के लिए देख रहे हो: जैसे हमेशा ही, ठीक आपके समय में हुआ है, और आप इसे नहीं जानते। "कितनी ही बार उसने चाहा कि जैसे मुर्गी अपने बच्चों को अपने पंखों के नीचे इकट्ठे करती है तुम्हे रखे, लेकिन तुमने नहीं चाहा।" तुमने उसके वचन और उसकी आत्मा से अधिक अपने रीति–रिवाजो और संप्रदायों के लिए सोचा। हाँ।

192 मरियम के लिए क्या ही निंदा है! (जैसा कि हम बंद कर रहे हैं।) मरियम और युसूफ के लिए, उसके वचन के कारण क्या ही एक निंदा है। यह क्रिसमस का समय है। मैं योजना बना रहा था कि इस पर थोड़ा सा रुके रहूं, लेकिन आप इसे रेडियो और पास्टरो और आदि के बीच में अधिक सुनेंगे। मरियम और युसूफ के लिए क्या ही एक निंदा है, प्रतिज्ञा के

परमेश्वर के वचन को पकडे रहने के लिए। अब याद रखें। और ठट्ठा उड़ाने वाले, उन्होंने अपनी आँखों की भौहों को ऊपर किया, जब उन्होंने छोटी मरियम को गुजरते देखा, यूसुफ को देखकर कहा, "तुम एक व्यभिचारी से विवाह कर रहे हो।" देखा? और याद रखो, भाई, उन दिनों में व्यभिचार करना मृत्यु थी। "अब, तुम उसे मौत से बचाने जा रहे हो। वह है, वो तेरे द्वारा माँ बनेगी।" और, लेकिन, याद रखें, परमेश्वर हर समय उनके साथ व्यवहार कर रहा था, और यह वचन के अनुसार था। और उन्होंने इसे नहीं जाना था। देखा?

193 "एक कुंवारी एक बच्चे को जनेगी।" यूसुफ यह जानता था। मरियम यह जानती थी, क्योंकि, वचन को लिखने के बाद, वहां एक दूत उनसे बात कर रहा था, उसी वचन को प्रमाणित कर रहा था, प्रकट कर रहा था, जो लिखा हुआ था, जो घटित होने वाला था। अब सपना मत देखो। सोचो। पवित्र आत्मा नीचे धरती पर उतर आया; पूरी सभा से कभी बात नहीं की। पवित्र आत्मा ने उनसे बात की।

194 यूसुफ ने देखा। और इससे पहले दूत उससे मिलने को आये, उसने कहा, "तो, अब, मैं उससे प्रेम करता हूँ। लेकिन, मैं एक धर्मी मनुष्य हूँ। मैं इस तरह की स्त्री से विवाह नहीं कर सकता।"

195 और प्रभु का दूत एक सपने में उसके सामने उपस्थित हुआ, और कहा, "दाऊद के पुत्र, यूसुफ, मरियम को अपनी पत्नी करने के लिए मत डर, वो जो उसके गर्भ में है वो पवित्र आत्मा से है।" ओह, प्रभु! क्या ही एक तसल्ली है! समझे?

196 और, मरियम, अपने कुएं के मार्ग पर थी। वो छोटी कुंवारी, जो लगभग सत्रह, अठारह वर्ष की थी, एक पुरुष से विवाह करने वाली थी जिसका पहले हुआ था और चार बच्चे थे; जो एक वृद्ध पुरुष था। और वह... मरियम ने उससे प्रेम किया, और—और वो नहीं जानती थी, क्यों। और युसूफ ने उसे प्रेम किया, और वह नहीं जानता था, क्यों। और यहां पर वे थे। कुएं पर आ रहा थे, जा रहा थे, कुछ पानी को भरने के लिए, और उन सभी चीजों पर अध्ययन कर रहा थे, जिस पर वह—वह सोच रही थीं, वे वचन, कोई संदेह नहीं था, और उसके बाद एक प्रकाश उसके सामने चमका, वहां एक दूत खड़ा था।

197 सोचो मरियम ने कैसा छोटा महसूस किया होगा? क्या आपने कभी इसके बारे में सोचा? मैं सोचता हूं क्या उसने डर जैसा महसूस किया होगी जैसे मैंने किया था।

198 "हेल (सुनो), मरियम!" *हेल* का मतलब होता है "रुको।" "उस पर ध्यान दें, मैं जो कुछ भी तुम्हे बताने जा रहा हूं। तू स्त्रीयों के बीच धन्य है, क्योंकि परमेश्वर का अनुग्रह तुझ पर हुआ है, और तू एक बालक को जनने जा रही हैं। किसी पुरुष को जाने बिना, लेकिन तुझे एक बालक होने जा रहा हैं। और तुम्हारी चचेरी बहन इलीशिबा, वो भी बूढी हो गयी है, वो भी गर्भवती हुई है, और एक बालक को जनने जा रही हैं। और ये चिन्ह किए जायेंगे।"

उसने कहा, "ये कैसे होगा, जानकर, देखते हुए एक पुरुष को जाने बिना? "

199 उसने कहा, "पवित्र आत्मा तुझ पर छाया करेगा। वह पवित्र चीज जो तुझसे जन्म लेगा वह परमेश्वर का पुत्र कहलाएगा।"

200 वे उपहास उड़ाने वाले जो कहना चाहते हैं कहे। उसने इसे जान लिया। उसने जान लिया ऐसा होगा, क्योंकि परमेश्वर ने ऐसा कहा था।

201 अब, उसे अवश्य ही कैसा लगा होगा, इस समर्पण के दिन, या बालक के खतना के लिए आना, जब वो वहां इस छोटे से बच्चे को उसकी बाहों में लेकर *इस* तरह से चल रही थी। और सारी महिलाये उससे दूरी बनाये हुए थी, सुन्दर सुईयों की कारीगरी के साथ कपडे पहने, अपने शिशुओं को समर्पित करने के लिए, और उनका खतना करने के लिए, और लगभग वे सभी मेमने को खींच कर ला रहे थे। लेकिन उसके पास दो जंगली कबूतर थे, उसकी अपनी शुद्धिकरण को साफ करने के लिए अपने साथ लिए हुए थी। वो छोटा बालक पट्टियों के वस्त्र में लपेटा हुआ था, जो एक बैल के पीछे की गर्दन से जुए से निकला हुआ था, उस जुए से, जो एक बैल के पीछे की ओर लपेटा जाता है। केवल वो ही पट्टियों का वस्त्र उस चरनी में था। उनके पास उसके लिए कुछ भी नहीं था। वे बहुत ही गरीब थे। और यहाँ पर वो खड़ी हुई थी।

202 इसमें कोई संदेह नहीं, सभी महिलाओं ने छोटी कुंवारी से अपनी दूरी को बनाये रखा। कहा, "आप देखते हैं, उसके पास एक अवैध बालक है।"

देखें कि परमेश्वर कैसे कट्टरपंथी दिखने वाली चीजों को बनाता है। ओह, प्रभु! वह केवल शैतान की आँखों के ऊपर से बाल को खींचता है। "कितनी गंदी! कितनी मलीन! व्यभिचारी। यही है वो। वह एक व्यभिचारक है।" इससे छोटी मरियम के ह्रदय की धडकन बंद नहीं हो गयी। उन्होंने उससे अपनी दूरी को बनाये रखा।

203 वे अभी भी वही काम कर रहे हैं, उसे अब, "पवित्र–पाखंडी, या कट्टरपंथी," या ऐसा ही कुछ कहते है।

मरियम जानती थी वो किसका बालक था। वो केवल आगे बढती रही, बस उसी तरह।

204 लेकिन, ओह, क्या उन्होंने ध्यान नहीं दिया, जब शमौन वहां पीछे कमरे में बैठा था, उससे प्रतिज्ञा की गयी थी? वो यहाँ–वहां जाकर, भविष्यवाणी कर रहा था। उसने कहा, "प्रभु मुझ पर प्रकट हुआ।" और कहा, "मैं मृत्यु को नहीं देखूंगा... " और वह तब अस्सी ऐसे ही कुछ वर्ष था। "मैं मृत्यु को नहीं देखूंगा मैं पहले उसके उद्धार को देखुंगा।"

205 "ओह, शमौन, तुम बूढ़े हो, पुत्र। तुम्हारा—तुम्हारा... बूढा मनुष्य उसका सिर घुम गया है, तुम्हें पता है, वह थोड़ा सा... बस उसे अपने हाल में छोड़ दो। वो हानी नहीं पहुंचायेगा। वह किसी को नुकसान नहीं पहुंचायेगा।"

206 लेकिन शमौन के पास प्रभु का वचन था, उसने कहा, "मैंने परमेश्वर की आत्मा को मुझ पर उतरते हुए देखा। मैंने खडे होकर और उसकी ओर देखा। उसने मुझे बताया, 'शमौन, तू एक धर्मी मनुष्य रहा है और तुम नहीं... मैं तुम्हें वहां एक गवाही बनाने जा रहा हूँ।'" हूं–हुह। बस इतना ही।

"प्रभु, आप इसके लिए क्या करने जा रहे हैं? "

"यह करना मेरा काम है।"

207 मेरा ख्याल यह है, कि वह निश्चित रूप से उस दिन पर कोयले को उंडेल सकता है। "तुम्हारे पास एक गवाही थी। तुमने इसे क्यों नहीं सुना? "

208 वहां मंदिर में बूढी अंधी हन्नाह बैठी हुई थी, प्रार्थना कर रही थी। परमेश्वर ने उसे बताया, "शमौन सही है।" आमीन। वो अंधकार में से दिन की रोशनी को नहीं देख सकती थी, लेकिन वह आज के कई लोगों की तुलना में जिनके पास अच्छी आंखें थी, कहीं अधिक दूर तक देख सकती

थी। उसने आत्मा में, आने वाले मसीहा को देखा जो नजदीक था, आत्मा उसके ह्रदय में मंडरा रहा था।

209 देखें कि वहां क्या ही एक छोटी संख्या की कलीसिया थी? जकरिया, इलीशिबा, मरियम, यूहन्ना, हन्नाह, और शमौन; लाखों में से छह। जैसे नुह के दिनों में था। उनमें से छह। उनमें से हर एक के साथ परमेश्वर ने व्यवहार किया था। वे सब एक समानता में थे। वे सभी एक साथ हो गए थे। आमीन।

210 यहाँ, बूढा शमौन। यहां वो छोटा बालक अन्दर आता है। उसने उसके बारे में कभी कुछ भी नहीं सुना था। यहाँ वो बालक है। और तब शमौन अपने कमरे में बैठा था, और आत्मा उस पर आ गया, कहा, "बाहर निकलो, शमौन।"

211 यहां वह चला गया, चलते जा रहा था, नहीं जानता था कि वह कहाँ जा रहा था। जैसे अब्राहम, वह कुछ तो ढूंढ रहा था। वह नहीं जानता था कि ये कहां था, लेकिन वह आगे बढ़ता जा रहा था। कुछ देर के बाद, वह रुक गया। और पवित्र आत्मा ने उससे अवश्य ही उससे कहा होगा, "वो वहाँ पर है।"

212 वह वहां पर पहुंचा, मरियम की बाहों में से, उसने अपनी बाहों में बालक को उठा लिया, ऊपर देखा और कहा, "प्रभु, अब अपने दास को इस जीवन से शांती में विदा कर। मेरी आंखें आपके उद्धार की ओर देख रही हैं।" वो बात जिसका सब मजाक कर रहे थे, जो स्त्रीयां किनारा कर रही थीं, शमौन ने कहा, "ये ही आपका उद्धार है, प्रभु।"

213 और लगभग उस समय पर, यहां एक बूढी अंधी महिला आती है, यहाँ–वहां से घूमकर उसका रास्ता बनाते, इधर–उधर लड़खड़ाते हुए दर्शकों के बीच में से होते हुए। और वह उसके पास आ गई, और उसने भविष्यवाणी भी की, क्योंकि वह उसके लिए देख रही थी। उसने मरियम से कहा, "वरन तेरा प्राण भी तलवार से आर–पार छिद जायेगा, इस से बहुत ह्रदयों के विचार प्रगट होंगे।" देखा? यह क्या था?

214 अब, मैं सोचता हूं, उनमें से कुछ स्त्रियों ने कहा, "अब यह देखो! आप समझ सकते हैं यह किस प्रकार के दर्जे के लोग है? तुम वहां हो। देखा? ऐसा ही है। देखो कि यह कहां पर है? वो बूढा व्यक्ति, दिमाग से पागल है।

वहां पर वो खड़ा है, उस व्यभिचारी लड़की के सामने, जो इस तरह की बात कहने की कोशिश कर रहा है। यहां ये है। वह अवैध बालक। उस बूढी हन्नाह को देखो, जो यहां बैठती है, खुद को भूखा मार रही है, और ये इसी तरह से करती रहती है। और वह ऐसे मजा नहीं कर पायेगी, जैसे हम करते है। लेकिन, वहां है ये, देखो। वो यहाँ इस देश के सारे समाजों से संबंध रख सकती है। वो एक बहुत अच्छे परिवार से बाहर आयी होगी, देखो, और वो वहां से संबंध रख सकती है। लेकिन वो वहाँ पर है। देखें कि कैसे वो झुण्ड एकत्र होता है? " ओह, हाँ। आमीन।

215 आज भी वही बात है। "मसीह यीशु में स्वर्गीय स्थानों में बैठे हुए है, पवित्र आत्मा द्वारा ऊपर उठाये गए है।" निश्चय ही। जी हाँ, श्रीमान।

216 ओह, क्या हमारे पास थोड़ा और समय है? मुझे कुछ तो कहना है। [सभा कहती है, "हां।"—सम्पा।]

217 मेरे पास यहां एक और चरित्र है, मैं उस पर देख रहा हूं, उस समय पर जब वचन प्रकट किया गया था, ज्ञानी पुरुषों पर।

218 सोचता हूं मेरे पास समय होता था, फ्रेड, आपके लिए कि इसे पढे। क्या आपकी जेब में है? [भाई फ्रेड सोथमान कहते हैं, "हां।"—सम्पा।] मैं सोचता हूं, आपमें से बहुतो ने इसे पत्रिका में देखा है।

219 वह बात जो पवित्र आत्मा ने यहाँ नदी पर बताया था, तैतीस वर्ष पहले ही, उन्होंने अभी इसे ढूंढ कर निकाला है। नौ दिसंबर को, इसे साबित कर रहा था, खगोल विज्ञान, कैसे वो—वो जुपीटर और वे सितारे, उनके नक्षत्र में है!

220 उनके पास एक पुरा खगोल विज्ञान है... इसे ध्यान में रखते हुए, उन्होंने ढूंढ निकाला है। बिल्कुल यही वह समय है जब ये तारो का समूह, इन सितारों के तारामंडल में अन्दर आ गया, और सीधे बाबुल की ओर मुड गए, और वे ज्ञानी पुरुषों ने इस बात को लाया। याद है? वे अपने कार्यक्षेत्र (परिक्रमा) के बाहर आ गए, नीचे की ओर मुड़े, अरबों वर्ष का प्रकाश फिर से अलग हो गया। और वे यहूदी ज्ञानी पुरुष जो वहां बाबुल में थे, उन्होंने देखा कि नक्षत्र तारामंडल में आ गया है, उन सितारों में। उनमें से तीन एक साथ आगे बढने लगे, और उस एक सुबह के तारे को बना रहे थे। और

उन्होंने इसे परमेश्वर के वचन से जान लिया, कि यही वो समय था, जब वे सितारे एक साथ आये, तो मसीहा को पृथ्वी पर होना था।

221 यही कारण है कि उन्होंने चलना आरंभ किया, "कहां है वो, यहूदियों का जन्मा राजा? वो कहाँ है? कहीं तो है! क्योंकि, जब वे तारे आते हैं, जब तक उनका आकाशीय समूह, यहां इस एक विशाल आकाशीय समूह के अन्दर एक नहीं बन जाता हैं, जब वे तीनों एक साथ बढने लगते हैं, तो उस समय पर मसीहा धरती पर होगा।" और जब वे अपने कार्यक्षेत्र में चले गए, तो उन मनुष्यों ने यह जान लिया मसीहा धरती पर था।

222 वे अपने कार्यक्षेत्र में निपुण थे। वे महान पुरुष थे। वे अपने धार्मिक विज्ञान के क्षेत्र में निपुण थे। वे इसके धार्मिक पहलू को देख रहे थे। और उन्होंने देखा कि वे तारे उस ओर आगे बढ़ गए है, जुपीटर और सर्गास, और फिर उनके—उनके रेखा पंक्ति में चले गए हैं। और उन्होंने कहा, "हम जानते हैं कि मसीहा कहीं तो है। तो, उसे यरूशलेम में होना चाहिए, क्योंकि धार्मिक संसार के लिए यही वो मुख्य स्थान है, मसीहा के धर्मनिष्ठा का। यही उनका मुख्यालय है। यही संप्रदाय का मुख्यालय है। यही वो स्थान है जहां वो बड़ा कलीसिया संबंधित समूह बैठता है।"

223 और वे ऊंट पर चले गए, दो वर्ष, टिग्रीस नदी के पार, और दलदल और जंगलों में से होते हुए, यात्रा कर रहे थे, शहर की ओर जा रहे थे, आनंद से भरा हुआ ह्रदय।

224 वे जान गए थे कि जब वे तारे वहां लटक रहे थे। और इस, यहां तक कि आज खगोल विज्ञान का कहना है, "यदि वे वास्तव में, वे तारे, उस स्थान पर फिर से आते है, ये एक तारे को बनाते है, जहां पर वे खड़े हुए थे, देख रहे थे।" लेकिन उन्हें उस स्थान पर खडा होना था, इसे देखने के लिए। आमीन। आमीन।

225 इस बात पर निर्भर करता है कि आप कहां पर खड़े हैं। इस बात पर निर्भर करता है, आप किस बात के लिए देख रहे हैं। हू–हुह। जी हाँ।

226 सो उन्होंने इसे देखा, और वे इसके पीछे चले, और वे ठीक रेखा पंक्ति में थे। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि उन्हें कहाँ मिलेगा, यह ठीक उनके साथ रेखा पंक्ति में थे। इसने उनकी अगुवाही की। देखा?

227 इसी तरह से आपको सारे वचनों को रेखा पंक्ति में करना होगा, सब कुछ, उसके बाद वचनों के साथ उस रेखा पंक्ति में बने रहना है। यही केवल एक तरीका है। यह आपको सीधे उसकी ओर अगुवाही करेगा। निश्चित रूप से वो करेगा।

228 अब ध्यान दें। यहां वे आते हैं, पुकारते हुए, "कहां है वो, जो यहूदियों का राजा जन्मा है? " यरूशलेम के अन्दर, उस तारे ने उन्हें सीधे वहां लेकर गया, सीधे वहां सांप्रदायिक मुख्यालय की ओर। लेकिन जब वे इससे अलग होकर मुड़ गए, उस तारे ने उन्हें छोड़ दिया। वे शहर के अन्दर चले गए, वे सड़क पर ऊपर और नीचे चलने लगे। उन्होंने सोचा कि शहर परमेश्वर के आनंद से भरा हुआ होगा। सड़क पर ऊपर और नीचे खुशी के साथ वे चलने लगे, पुकारते हुए, "कहां है वो, जो यहूदियों का राजा जन्मा है? जब हम पूर्व में थे, तब हमने उसके तारे को देखा, और हम उसकी आराधना करने के लिए आये हैं।"

229 याद रखें, वो तारा, वे पश्चिम दिशा की ओर चले गए। वे पूर्व में थे। "पश्चिम दिशा की ओर अगुवाही करते, अब भी आगे बढ़ रहा है। हमें नेतृत्व करते... " समझे? वे बिल्कुल ही... वे थे... तो, बाबुल और भारत पूर्व फिलिस्तीन में स्थित है, जो एक तरह से दक्षिण पूर्व की ओर है। और वे पश्चिम दिशा की तरफ जा रहे थे। "पश्चिम दिशा की ओर अगुवाही," आप उस गीत जानते हैं, "अभी भी आगे बढ़ रहा है। हमें सिद्ध प्रकाश की ओर नेतृत्व करता है।" देखा? वे ज्ञानी पुरुष पश्चिम को आ रहे थे। पूर्व को छोड़ते हुए, पश्चिम जा रहे है, और उन्होंने उस तारे को देखा। अब, यदि वे पश्चिम में थे, पीछे की तरफ देखते हुए, उन्होंने इसे नहीं देखा। देखा?

230 वे, जब वे वहां पहुंचे, इसने उन्हें सीधे वहां निर्देशित किया, फिर यह उन्हें छोड़ कर चला गया। और उन्होंने सोचा, "यह यहाँ पर है। तारा छोड़ कर चला गया है, तो यह यहाँ पर है।" वे शहर में हैं। तो, "ओह, प्रभु," उन्होंने कहा, "हर कोई बस गा रहा है और खुश है। परमेश्वर की महिमा ने सब कुछ उजागर कर दिया है। तो हम यहाँ हैं। हम जानते हैं कि हम—हम जानते हैं कि हमारी सफलता, जैसा हमने उस नक्षत्र को देखा, कोई भी नहीं, कोई विशेषज्ञ, वहां आकर उन तारों को एक साथ नहीं ला सकता।

और हम जानते हैं, जब वे—जब वे तारे स्वर्गीय समुदाय में आते हैं, यही वह समय है, जब मसीहा पृथ्वी पर होता है। मसीहा धरती पर है।"

231 और हर इतने सौ वर्षो, वे फिर से अपने नक्षत्र को बनाते हैं, आप देखते हैं, और तब पृथ्वी पर एक उपहार आता है। ध्यान दे।

232 "मसीहा धरती पर है, जब वो—जब वो तारों का समूह एक साथ आता है।" और वे जान गए कि वो वहां पर था, यो वे धर्म के मुख्यालय चले गए, और चलना आरंभ करते, इन ऊंटों पर वे ऊपर और नीचे सड़क पर चलते गए, कहते हुए, "वो कहाँ है? वो कहाँ है? वो कहाँ है? वो कहाँ है जो यहूदियों का राजा जन्मा है? हमने पूर्व में उसके तारे को देखा है। वह यहीं कहीं पर है। वो कहाँ है? वो कहाँ है? वो कहाँ है?" हूह! क्या ही निंदा है!

233 वे मुख्य याजक के पास गए। उसने कहा, शायद कहा होगा, "तुम्हारे साथ क्या मामला है लोगो? क्यों, तुम कट्टरपंथियों का झुण्ड हो!" देखा? उनकी वैज्ञानिक उपलब्धि के उपर क्या ही निंदा है! परमेश्वर की सामर्थ के द्वारा, उन्होंने उसके तारे को देखा। और वे ज्ञानी पुरुष थे, चतुर। वे धार्मिक विज्ञान के कार्य क्षेत्र में थे। और वे जानते थे, जब वे तारे वहां पहुंच गए, मसीहा वहीं कहीं पर था। और यहां, वह स्थान जिसे जानना चाहिए था, उन्हें इसके बारे में कुछ भी नहीं पता था।

234 मैं कल्पना करता हूं है कि बच्चे सड़क पर खड़े हुए हैं, उन्होंने कहा, "हा! उस की ओर देखो। हा! यही कट्टरपंथियों का एक झुण्ड है। उन को सुनो, कह रहे है, 'वो कहाँ है, यहूदी का जन्मा राजा?' वे जानते नहीं कि हेरोदेस यहां का राजा है। वे *फलां* बिशप को नहीं जानते हैं।" ओह, प्रभु!

235 "वो यहूदियों का जन्मा राजा कहां पर है? हमने पूर्व में उसके तारे को देखा है।"

236 वे कहते हैं, "यहां आओ, यहां पर आप सारे ज्ञानी पुरुष जो आस–पास हैं।" हु–हुंह। "यहाँ आओ। क्या आप सबने कहीं भी किसी तारे को देखा हैं?"

"ओह, मैंने ऐसा कुछ भी कभी नहीं देखा।"

237 "आप सभी जो खगोल वैज्ञानिक, यहां आ जाये। क्या आप सभी ने कोई तारे को कहीं पर भी देखा था?"

"नहीं। नहीं।"

"क्या आपने ऐसा किसी भी तरह का कोई रहस्यमयी चिन्ह देखा है? "

"नहीं। हम ऐसा कुछ भी नहीं देखते हैं। नहीं।"

238 अब तक तो नहीं, या तो। एक ही बात है। वे कुछ भी नहीं देखते हैं। वे इसे नहीं देख सकते है।

"हुंह, चलो सेवको को बुलाओ। आप सब के बारे में क्या? "

"नहीं। हमने कोई भी तारा नहीं देखा।"

239 "ठीक है, आपके बारे में क्या लोगो, जो वहां दीवार पर बाहर बैठे रहते हैं? आपने तारों को ध्यान दिया। आप हमेशा जानते है... आप जानते हैं कि आकाश में हर तारामंडल कहाँ है। आप हर तारे को जानते हैं। क्या आपने कुछ देखा? "

"नहीं। हमें कोई चीज़ नहीं देखी।" लेकिन ये वहां पर था।

240 परमेश्वर की महिमा हो! ओह, प्रभु! क्या आप इसे नहीं देख सकते है? ये अब वहाँ पर है, और वे इसे नहीं देख सकते है। यह ठीक उनके आस–पास हो रहा है, और वे इसे नहीं देख सकते हैं।

241 "नहीं। हमने कुछ भी नहीं देखा। ओह, मैं वहां गया था। मैंने कुछ भी नहीं देखा।" निश्चय ही, आप नहीं देखते है। तब तो बहुत ही अंधे है। यह आपके लिए नहीं है कि इसे देखे। देखा? यदि आप वो अंधे हैं, क्यों, तो यकीन है, आप इसे नहीं देख पायेंगे।

242 यह तो केवल उन लोगों के लिए है जिसे परमेश्वर इसे प्रकट करेगा। यही वो एक है जो इसे देखते है। हमेशा इस तरह से किया गया है। निश्चय ही।

243 ये तो नूह था जो ऊपर आकाश में बारिश को देख सकता था, आप जानते है, लेकिन उनमें से बाकी के लोग इसे नहीं देख पाये। समझे? उन्होंने वहां ऊपर बारिश को नहीं देखा, लेकिन नूह इसे देखता है।

244 ये तो अब्राहम था जिसने सारा को बालक पकडे हुए देखा था। ये सही बात है। ना कि मजाक उड़ाने वाले जो कहते हैं, "राष्ट्रों के पिता, अब तुम्हारी कितनी संतान हैं? "

245 हम बाइबल में से होते हुए कितना कुछ बता सकते हैं, संतों और भविष्यव्यक्ताओ को लेते हुए, सब में से होते हुए! "विश्वास अनदेखी

वस्तुओ का निश्चित प्रमाण है।" वे जानते हैं कि वचन इसे बोलता है, और ये वहां पर है। *यहाँ* पर इसका प्रमाण है। वे इसे देखते हैं। अब ध्यान दें। ओह, प्रभु!

"हमारे ज्ञानी पुरुष उस तारे को नहीं देखते हैं। वैसा कुछ भी नहीं है।"

246 क्यों? असल में, जब वे देख रहे थे, और वे एक झुण्ड के साथ चले गये, तारा बाहर निकल गया।

247 आज भी वही बात है। यही वो कारण है कि बहुत से प्रकाश को बाहर रख देते हैं, यह सही बात है, वे एक इस तरह के ऐसे झुण्ड के साथ जुड़ते जा रहे है, कि इसे पहले स्थान में विश्वास भी नहीं करते है। और कैसे हमारे पास एक—एक कलीसिया का संगठन होने जा रहा हैं? "हम कैसे एक साथ चलने जा रहे हैं, जब तक हम एक साथ सहमत नहीं होंगे?" कैसे यहाँ यह... संसार भर के सारी कलीसिया की संगती होनी है, संसार की जो संयुक्त कलीसिया है? हम एक साथ कैसे एकजुट होने जा रहे हैं, जब हम लाखों लाख मील अलग हैं? देखा? हम इसे कैसे करेंगे? हमारे साथ ईवाजेलिकल्स है, और *ये*, और *वो*, और *वो*, है और फिर भी इस तरह के एक भ्रष्ट झुण्ड के साथ जुड़ गए है।

248 परमेश्वर एक ऐसी पत्नी को लेने जा रहा है जो शुद्ध, पवित्र, बिना मिलावट की है, उसके वचन के साथ बनी रहती है। तो ठीक है।

249 यीशु ने वचन के लिए निंदा लिया। (और बाद मैं हम रुकेंगे, बस एक मिनट में।) यीशु को वचन के लिए अपमानित किया गया था। यहाँ देखे। वो किस तरह निंदा में खड़ा हो सकता है, जब कि वो दैविक था, देहधारी वचन? वो खुद परमेश्वर था, जो देहधारी हुआ था।

250 अब, आप जानते हैं कि बाइबल ने ऐसा कहता है। "हमने उसे छुआ। दूतो ने उसे देखा।" केवल इसे सोचे। मेरा मानना है कि तिमुथियुस इसे इसी तरह से कुछ बताता है। देखा? उसने कहा कि, "और इस में सन्देह नहीं, कि भक्ति का भेद गम्भीर है; अर्थात वह जो शरीर में प्रगट हुआ, आत्मा में धर्मी ठहरा, स्वर्गदूतों को दिखाई दिया।"

251 वे दूत उसके जन्म पर थे। कैसे उन दूतो ने अवश्य ही नीचे देखकर और और आनन्द मनाया होगा, जब उन्होंने वहां चरनी पर देखा और परमेश्वर को देहधारी देखा। आमीन। इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि

वे चिल्लाने लगे, "आज, दाऊद के शहर में, उद्धारकर्ता मसीह जन्मा है।" दूतो ने आनंद किया, और उन्होंने अपने बड़े पंखों को एक साथ हिलाया, और यहूदिया की पहाड़ियों पर, उन्होंने गीत गाया, "कि आकाश में परमेश्वर की महिमा और पृथ्वी पर उन मनुष्यों में जिनसे वह प्रसन्न है, शान्ति हो।" उन्होंने परमेश्वर के वचन को देखा, जिसे उन्होंने इस पर ध्यान दिया था, यह देखने के लिए यह प्रकट हुआ है। और यह वहां पर था।

252 अब शैतान ने इसे विश्वास नहीं किया, आप जानते है। उसने कहा, "यदि तुम है... "

दूत ने कहा, "वो है।" यही वो अंतर है।

"यदि तू हैं, तो *ऐसा–ऐसा* कर। तो हम तुझे इसे करते हुए देखे।"

लेकिन दूत ने कहा, "वो वहाँ पर है।"

253 उन ज्ञानी पुरुषो ने अपने धार्मिक विज्ञान के साथ कहा, "वो वहां है।" आमीन।

254 यही वो कारण है कि आज वे पुरातत्त्व विज्ञान और इत्यादि, इन चीजों को खोद कर ऊपर ला रहे है, जिसकी कुछ वर्ष पहले भविष्यवाणी की गई है, जिसे पूरा होना है। और यहां पर ये इसे खोद कर निकाल रहे है। वे यहाँ तक कभी भी...

255 ऐसा कोई इतिहास नहीं है जिसने कभी कहा था कि पोंटियस पिलातुस कभी धरती पर था। क्या आप यह जानते थे? आप में से कुछ स्कूल के बच्चो ने मुझे बताया कि इतिहास में पोंटियस पिलातुस के बारे में कहाँ पर बोला गया है। और अविश्वासियों ने इसका उपहास किया और इसका मज़ाक उड़ाते हुए कहा, "एक—एक रोमन सम्राट कभी नहीं था, एक गवर्नर का नाम, पोंटियस पिलातुस हो।" लेकिन लगभग छह सप्ताह पहले, उन्होंने आधारशिला को खोदा: पोंटियस पिलातुस, गवर्नर। ओह, प्रभु! क्या ही मुर्खता है!

256 उन्होंने कहा, "इतिहास में एक रामसेस कभी था ही नहीं, जो रामसेस मिस्र पर बताया गया।" लेकिन उन्होंने एक पत्थर को खोद निकाला, पुरातत्व विज्ञान: वो दूसरा, रामसेस। ध्यान दे।

257 और उन्होंने कहा कि वे दीवारें कभी नहीं गिरी। पुरातत्व विज्ञान यहाँ–वहां खुदाई कर रहा था, और, सबसे पहले आप जानते हैं, उन्होंने बहुत

नीचे तक खोद निकाला जहां यरीहो में वे दीवारें गिर गईं थी, आप जानते हैं, जब तुरही को बजाया गया था। उन्होंने कहा, "यह सिर्फ एक कल्पना थी, किसी गीतकार ने एक गीत में कहा, जिसे बहुत पहले गाया गया।" जी हाँ। उपहास उड़ाने वाले कहते हैं कि, "तो सिर्फ एक कल्पना थी। दीवारो के गिरने के जैसी कोई चीज ही नहीं थी, और यहोशू तुरही को फूंक रहा था, और दीवारों के चारो ओर घुम रहा था, और वे नीचे गिर गयी। ऐसी कभी चीज थी ही नहीं।" और कुछ बडे मसीही पुरातत्व विज्ञान अब इसकी खुदाई करते जा रहे है, क्योंकि वह जानता था कि इसे इसी तरह होना था। उसने कुछ तीस फीट से ज्यादा खोदा, नीचे जहां उनमें से बाकी की चीजे थी। वहां दीवारें थीं, ठीक एक दूसरे के ऊपर ढेर थीं, बिल्कुल जैसा वचन ने कहा था।

258 उन्होंने कहा, "ऐसी कोई चीज ही नहीं थी, जब दाऊद ने कभी उसके वाद्य यंत्र को बजाया हो, उसका वाद्य, तार वाली वीणा, क्योंकि तार वाला संगीत पंद्रहवीं शताब्दी तक ज्ञात नहीं हुआ था।" कहा, "ऐसी कोई चीज कभी नहीं थी।" मसीही पुरातत्व विज्ञान ने वहां मिस्र में खोदा। चार हजार वर्ष पहले, उनके पास तार वाली वीणा थी। आमीन। ओह, प्रभु!

259 उन्होंने उन इब्रानी बच्चो के बारे में कहा वे भूसी से पत्थर और आदि ऐसी चीजे बनाते थे, "ऐसी कोई चीज ही नहीं थी।" पुरातत्व विज्ञान वहां पर खुदाई करने को गया। उन्हें क्या मिला? यही विज्ञान है। उन्हें क्या मिला? शहर की दीवारें, जिसे इब्रानियों ने बनाया था, पत्थरों की पहली परत पर लंबी भूसी थी; दूसरा पत्थर छोटे–छोटे भूसी के टुकडो में कटा हुआ था; और तीसरे में, इसमें कोई भूसा था ही नहीं। ओह, प्रभु!

राष्ट्र टूट रहे हैं, इस्राएल जाग रहा है,
वे चिन्ह जिसे भविष्यवक्ताओं ने पहले से बताया।

260 जी हां, श्रीमान। इन सब बातों को ठीक हम तक पहुंचाया गया है, भाईयो, बहनो। ऐसा क्यों है? पिछले कुछ वर्षो में, सिनेमा जगत ने कभी भी ऐसा नहीं किया है, जो उसने किया है। सिनेमा के पर्दे पर सेसिल डीमिल के द्वारा *द टेन कमांडमेंट्स* की कहानी को लाया गया है। सिनेमा के पर्दे पर *बेन हर* के माध्यम से यीशु मसीह के जीवन को बताया गया। सिनेमा के पर्दे पर *बिग फिशरमैन* आयी है, जो पतरस का परिवर्तन है। और ये सारे धार्मिक नाट्य, जिसे सिनेमा ने अस्वीकार कर दिया था, और गंदा

किया, और निकाल फेंका था। लेकिन, परमेश्वर ने उसकी महान सामर्थ में बिल्कुल उसी तरह से इसे लेकर आया।

261 ठीक अभी, उन चीजों को जो कुछ वर्षो पहले बताया गया था, एक दीन, परमेश्वर के छोटे नम्र दास ने, जो मैं खुद हूं। मैंने कहा, "वहां एक उजियाला रुका हुआ था, और मुझसे बात की, और मुझे कुछ चीजों को करने के लिए कहा।" लोग हंस पड़े, और कहा, "उसका दिमाग थोड़ा सा घुम गया है।" वहां इसकी एक तस्वीर है। विज्ञान ने इस बात को उठाया। ये वहाँ पर है। यही सच्चाई है।

मैंने कहा, "महिला पर मृत्यु की छाया है।"

262 उन्होंने कहा, "छाया के रूप में, अब, यह बेकार की बात है। वो इस बात को अपने मन से बना रहा है।"

263 वहां इसकी तस्वीर है। परमेश्वर चट्टानों को चिल्लाने को लगायेगा। वह इसे करने में सक्षम है, जो वो करना चाहता है।

264 यीशु, वचन के लिए निंदा। परमेश्वर का दैविक पुत्र वहां खड़ा है, इम्मेनुएल, क्या ही एक निंदा है! अविश्वास करने वाले पापी उसे बांधते है, उसके चेहरे पर थूकना, और दाढ़ी के झटके से खींचते है, और उससे कुछ भी करने के लिए हिम्मत करते है। वचन के लिए निंदा! हूं–हुह। क्या? पिता के वचन को पूरा करने के लिए। ओह! लेकिन, याद रखें, उसे मृत्यु के निंदा के लिए खड़ा रहना ही है। परमेश्वर जो कभी नहीं मर नहीं सकता है, और केवल वही वो एक है, जो एक पापी को बचाने के लिए मर सकता है। कोई भी और नहीं, कोई दूसरा व्यक्ति, या तीसरा व्यक्ति इसे नहीं कर सकता। एक मात्र परमेश्वर स्वयं ही ऐसा कर सकता है। और यहाँ पर वो था।

265 उसने कहा, "कोई भी व्यक्ति ऊपर नहीं चढ़ा, लेकिन वह जो नीचे उतरता है, यहां तक कि मनुष्य का पुत्र जो अब स्वर्ग में है।" आमीन।

266 उन्होंने कहा, "हमारे पूर्वजों ने जंगल में मन्ना खाया।"

"और वे मर गये," उसने कहा।

"और तुम कहते हो कि तुम जीवन की रोटी हैं? "

267 उसने कहा, "अब्राहम से पहले, मैं हूं। मैं जीवन की रोटी हूँ। मैं जो हूं सो हूं।"

268 उन्होंने कहा, "तुम पचास साल के भी नहीं हो, और कहते हो कि तुमने 'अब्राहम को देखा है'? "

269 उसने कहा, "अब्राहम से पहले, मैं हूं।" और उसके बाद पापी उसे बांध देते है, संस्थापक कलीसिया उसे बांध देते है।

270 आप याद रखे, अंतिम दिन में, इस धनी लौदेकिया कलीसिया, उन्होंने उसे कलीसिया से बाहर कर दिया है। क्या आप देखते हैं कि ये अभी कहां है? क्या आप देख सकते हैं कि मैं उस सिद्धांतो के विरोध में क्यों पुकार रहा हूं? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।]

271 यीशु ने पापियों को क्यों बांधने दिया? यह वचन को पूरा करना था, परमेश्वर के लिये एक निंदा को लाने, मरने के लिए। परमेश्वर को मरना था। उसे शरीर में होना था, जिससे की वो मर सके। और यीशु यह जानता था। उसने उन्हें इसके बारे में बताया था। उसने कहा, "इस मंदिर को ढा दो, और मैं इसे फिर से खड़ा करूंगा।" ना ही कोई और इसे खड़ा करेगा। "मैं इसे खड़ा करूंगा। तीन दिनों में, मैं इसे फिर से वापस लाऊंगा। तुम इसे ढा दो; मैं इसे खड़ा करूंगा। जैसे योना व्हेल मछली के पेट में तीन दिन और रात के लिए था, वैसे ही मनुष्य के पुत्र को धरती के हृदय में होना ही है।" और यहाँ तक उन्होंने इसे समझा भी नहीं। देखा? वचन के लिए एक निंदा, वो—वो था।

272 अब, मृत्यु के निमित उपहास किया गया, ताकि अनन्त जीवन के लिए फिर से जी उठे। उसे पहले मृत्यु के लिए डाला जाना था, इसलिए वह अनंत जीवन के लिए जी उठ सका, और हर एक दूसरी मनुष्य जाति के लिए ला सका (जो उसके रूप में थे) अनंत जीवन को ला सका, जो इसे स्वीकार करेंगे। समझे? वह मनुष्य बन गया, एक छुड़ाने वाला निकट कुटुम्बी बन गया, और सारे उपहास के लिए खडे रहना था, वैसे ही जैसे उसके दास जनो ने उसके पहले किया था। जैसे मूसा, जैसे नूह, जैसे कि वे बाकी के सारे उस उपहास के लिए खडे थे, उसे उपहास के लिए खड़ा रहना था क्यों? उसके पास वचन था, और वो वचन था। यही वो कारण है उन्होंने उसका पहले से कहीं अधिक उपहास किया। वो अपने आप मैं दैविक और वचन था। हाल्लेलुय्या! यही है वो जो उसे बनाता है।

273 यीशु ने कहा, "तुम ढोंगी हो।" कहा, "तुम भविष्यवक्ताओं की कब्रों को बनाते हो, और तुम ही वो एक हो जो उन्हें वहां उसमें डाल देते हो। वे परमेश्वर के वचन के साथ आये, और तुमने उन पर विश्वास नहीं किया। तुम उनमें हर एक के दोषी हो।"

274 फीनिक्स में, परमेश्वर ने चाहा तो, मैंने एक दिन एक वचन को कहा था। मैं इस पीढ़ी को यीशु मसीह की हत्या के लिए दोषी ठहराने जा रहा हूँ, उसे फिर से क्रूस पर चढ़ाने के लिए। मैं उस सेवको की सिमिति के सामने एक अभियोग को लाने जा रहा हूं, परमेश्वर ने चाहा तो। वे यीशु मसीह के लहू के दोषी हैं, उसे क्रूस पर दोबारा चढ़ाने के लिए। जी हाँ, श्रीमान। पूरी तरह से दोषी!

275 पतरस ने उन्हें पेंटीकोस्ट के दिन पर दोषी ठहराया। उसने कहा, "तुमने इन दुष्ट हाथों से जीवन के राजकुमार को क्रूस पर चढ़ाया है, जिसे परमेश्वर ने जिलाया है। हम गवाह हैं।" उसने एक अभियोग को लगाया।

276 मैं परमेश्वर के वचन को लेकर, हर एक संप्रदाय पर अभियोग को लगाता हूं जो वहाँ है, और धरती पर का हर एक मनुष्य, यही यीशु मसीह के लहू का दोषी है। परमेश्वर उस दिन पर उसका प्रतिनिधि होने के लिए मेरी सहायता करे। आमीन। जी हाँ।

277 ओह, उपहास करने वालो ने उसका मजाक उड़ाया। उन्होंने उसे अपमानित किया। वह ठीक इसके साथ बना रहा। आमीन। ओह! देखो उसने क्या किया। वह परमेश्वर का पुत्र था, मृत्यु को सहा, जिससे की पाप का खात्मा करे। और उसे ऐसा करना था। ये... यही एकमात्र तरीका है इसे मृत्यु के लिए डाला जा सकता है। और उसने यह किया, और इस के लिए खड़ा था, क्योंकि उन बाकी के सभी ने किया था।

278 क्योंकि, वे सभी जो वहां पहले थे परमेश्वर के छोटे वचन थे। क्योंकि, यीशु ने ऐसा कहा। "प्रभु का वो—वो वचन भविष्यद्वक्ताओं के पास आया था, और उनमें से किस एक पर," उसने कहा, "जिसे तुम्हारे पिता, तुम्हारे संगठित धर्म ने, पत्थर नहीं मारा और मृत्यु के हवाले नहीं किया? उनमें से किस एक ने भविष्यद्वक्ताओं को स्वीकार किया? फिर उनके मरने के बाद, तुम उनकी कब्र को बनाते हैं।" कहा, "तुम उन्हें वहां डालने के दोषी हो।"

279 तब उसने उन्हें दाख की बारी के बारे में दृष्टांत दिया, और दास आते हैं। उन्होंने उनसे दुर्व्यवहार किया, फिर अंत में कहा, "अब हम पुत्र को मार डालेंगे, क्योंकि वह वारिस है।" समझे? ओह, वे गुस्सा हो गये, जब उन्होंने यह देखा। देखा?

280 लेकिन उसे निंदा के लिए खड़े रहना था। और यहां वो खुद मृत्यु की ओर बढ़ने के लिए बंधा हुआ था, जिससे कि मृत्यु के लिए डाला जाये, ताकि अनंत जीवन को वापस लाये। परमेश्वर की महिमा हो! ओह, मैं उसे कितना प्रेम करता हूँ! अनंत जीवन को वापस लाता है और परमेश्वर के हर पुत्र को खड़ा करता है, हर एक युग में होते हुए, जो उस वचन के साथ खडे थे, और निंदा को लिया। ये सही बात है।

281 यदि वो नहीं आया होता था, तो नूह नहीं खडा हो सकता है। यदि वह नहीं आया था, एलियाह वापस नहीं आ सकता है। यदि वो नहीं आया था, तो नूह कभी भी उठ खड़ा नहीं होगा, यदि वो नहीं... यदि वो नहीं आया था। क्योंकि, वो पहले से ठहराया हुआ मेमना था, जो खुद पर निंदा को लिए आया, और परमेश्वर के हर एक वचन के लिए मृत्यु के लिए मरता है, जिसे बताया गया था और जिसके लिए ये धर्मी पुरुष खडे हुए थे। उसे करना था। कोई भी इसे नहीं कर सकता था। परमेश्वर स्वयं, और वो आया और स्थान को ले लिया, जिससे की वो छुड़ा सके और परमेश्वर के हर पुत्र को अनन्त जीवन दें, जो उसी वचन के लिए खड़ा खड़ा हुआ है और जो निंदा को सहता है। परमेश्वर के हर एक पुत्र, उन युग में से होते हुए, जो निंदा के लिए खडे रहे, कोई भी एक उसे छुड़ा नहीं सका, लेकिन विश्वास के द्वारा उसने उस छुड़ाने वाले को आते हुए देखा।

282 अय्यूब ने उसे देखा। अय्यूब वहां खड़ा हुआ था, और उन्होंने कहा, "ओह, तुम एक गुप्त पापी हो। परमेश्वर केवल तुमसे दुर्व्यवहार कर रहा है, क्योंकि तुम एक गुप्त पापी हो।"

283 उसने कहा, "मैं जानता हूं कि मेरा छुड़ाने वाला जीवित है। अंतिम दिनों में वह धरती पर उठ खड़ा होगा। भले ही खाल के कीड़े इस शरीर को नष्ट कर दे, फिर भी, मेरे देह में, मैं परमेश्वर को देखूंगा।"

284 उसकी पत्नी ने कहा, "तुम उसे शाप क्यों नहीं देते और मर जाते? " कहा, "तू एक तुच्छ अभागी की तरह दिखती है।"

285 उसने कहा, "तू एक मूर्ख स्त्री की तरह बात करती है।" आमीन। वहां वो था। "मैं जानता हूं कि वह जीवित है, और वह अंतिम दिन में खड़ा होगा।"

286 यदि यीशु नहीं आया होता, तो अय्यूब को छुड़ाया नहीं जा सकता है, क्योंकि वो मेम्ना था जो संसार की नींव से लेकर मारा गया था। वो उसके स्थान को जान गया। वह अपने दर्जे को जानता था।

287 यही वो कारण है कि मरियम ने उस दर्जे को पहचान लिया, उस दिन जब वो वहां से बाहर आती है। उसने कहा... "यदि मैं... तुम यहाँ पर होते, तो मेरा भाई नहीं मरता।"

उसने कहा, "तेरा भाई फिर से जी उठेगा।"

कहा, "हाँ, प्रभु, पुनरुत्थान में। वह एक भला लड़का था।"

यीशु ने कहा, "लेकिन मैं पुनरुत्थान हूं। क्या तू इसे विश्वास करती हैं? "

288 उसने कहा, "हाँ, प्रभु, मुझे विश्वास है कि आप परमेश्वर के पुत्र हैं, जिसे संसार में आना था।"

उसने कहा, "तुमने उसे कहाँ दफनाया है? " ओह! तुम वहां पर हो। हूं–हूह।

289 उसने इसे पहचान लिया। वो छोटी स्त्री इसे नहीं कह रही थी। उसके पास सात दुष्टआत्माये थी जो उसमें से बाहर निकाली गयी थी। उसने परमेश्वर की सामर्थ को जान लिया, जो घमंड और तनाव और सब कुछ उसमें से बाहर निकाल सकता था, जो उस छोटी, स्वार्थी हाईस्कूल की आत्मा को बाहर निकालकर, और उसे एक नयी सृष्टी बना सकता है। उसने सात दुष्टआत्माओ को बाहर निकाला। वे स्त्रियाँ जानती थी कि वो क्या था, जिन्होंने उसे स्वीकार किया था।

290 वे जानते हैं कि वो उनके लिए क्या कर सकता है। तो आज भी वे ऐसा करते हैं। केवल इसे स्वीकार करें। यही वो अगली बात है।

291 वो वहाँ पर है। उसने ऐसा कहा। और वह... आप जानते है किस बात ने जगह ली थी। ओह!

292 वे सब जो उसी वचन के लिए दुख उठायेंगे, वह उसी कारण से मरा। वो ही केवल एक था जो मर सकता था, ऐसा करने के लिए, क्योंकि वह वचन था। वह वचन था, वचन प्रकट बना। बाकी सभी के पास थोडा सा अंश था, लेकिन यहां उसमें परमेश्वर की परिपूर्णता थी। आज वो वैसा ही है। इब्रानियों 13:8, "यीशु मसीह कल, आज, और युगानुयग एक सा है।" सुनो।

293 मैं वास्तव में बंद कर रहा हूँ। मैं इसे करने जा रहा हूं, अब करना होगा। मैंने समय से ज्यादा लिया है।

294 उसने कभी एक शब्द भी नहीं लिखा। क्या उसने लिखा? [सभा कहती है, "नहीं।"—सम्पा।] कभी एक वचन नहीं लिखा। क्यों? वो वचन था। वह क्या था? जो वचन लिखे गए थे, वह उस वचन का प्रकटीकरण था। महिमा! व्यूह! अब मैं अच्छा महसूस कर रहा हूँ। वो वचन था। उसे कुछ भी लिखना नहीं था। वो वचन था, यह लिखित वचन प्रकट बना। परमेश्वर की महिमा हो! वो आज भी वही है कल, आज, और युगानुयग एक सा है। वो वचन है, वचन प्रकट बना।

आप कहते हैं, "क्या यह सही है, भाई ब्रन्हम? "

295 देखो यहोवा वहां पर खड़ा है और आश्चर्य की तरह उस लहरों पर लकीर को फूंक दिया, और इस्राएल के लिए रास्ते को बनाया कि उसमें से होकर चले।

296 यहोवा को शरीर में देखो, कहता है, "शांत रह, थम जा।" जब लहरें तूफान में, तटो पर टकरा रही थी, और शैतान हर एक चीज पर इस तरह से पिटाई खा रहा था, उसने कहा, "शांत रह, थम जा।" और इसने उसकी आज्ञा का पालन किया; हवाओं और इत्यादि ने। वो यहोवा था। आमीन।

297 वो यहोवा जो वहां खड़े होकर कुछ ओस की बूंदों को वहां छिड़क सकता है, इसे धरती पर गिरने देता है, और वे रोटी को बनाये, लोगो को खिलाने के लिए।

298 वो खड़ा हुआ और पांच मछलियों, या पांच रोटीयों और दो मछली को लिया, और पांच हजार को खिलाया।

299 वो वचन था। आमीन। आमीन। वो वचन है, और वो हमेशा ही वचन बना रहेगा और मैं और मेरा घराना, हम वचन की सेवा करेंगे।

ओह, मैं उसे देखना चाहता हूं, उसके चेहरे को देखना
चाहता हूं,
वहां हमेशा ही उद्धार के अनुग्रह को गाऊंगा;
महिमा की सड़कों पर, मैं अपनी आवाज़ को उठाकर;
सारी चिंताये बीत जायेगी, आखिर में घर पर, हमेशा
का आनंद।

300 ओह, प्रभु! हाँ। वचन के लिए निंदा को सहना। वचन के साथ निंदा चली जाती है। वचन के साथ बने रहो, और निंदा को सहन करें।

आइये प्रार्थना करे।

301 यीशु, जैसे एक रात को, प्रभु, मैंने पुकार उठा, "हे यीशु, आपके पास मेरे करने के लिए क्या है? मैं क्या कर सकता हूँ, प्रभु? इन चीजों को देखते हुए, और उस घडी को जानते हुए जिसमें हम रह रहे हैं, मैं क्या कर सकता हूं, प्रभु? मैं क्या कर सकता हूँ? "

302 मैं यहां अपनी छोटी कलीसिया के लिए प्रार्थना करता हूं, प्रभु। मैं दर्शन में के छोटे पक्षियों के बारे में सोचता हूं, वे चीजें जो हुयी है; और वे दूसरे पक्षी, जो महान बातें थी। लेकिन वहां उनमें से तीन खांचे थे, प्रभु। लेकिन जब उन दूतो ने कदम रखा, वहां कोई भी पक्षी नहीं बचा था। वे छोटे सन्देशवाहक बहुत ही अद्भुत रहे थे प्रभु, लेकिन मुझे विश्वास है कि कुछ तो बात जगह लेना अब निश्चित है। इसे होने दे, प्रभु। हमें अपने तरीके से ढाल और बना। हम—हम मिट्टी हैं। आप कुम्हार है।

303 इस क्रिसमस की पूर्व संध्या पर, प्रभु, हम परमेश्वर के उपहार के लिए आभारी हैं, क्योंकि परमेश्वर हमें दे रहा है। हालांकि यह कुछ तो होगा, जैसा कि हम अपने ह्रदय में विश्वास करते हैं, एक दिन किसी पागान अंधविश्वासी जिन्होंने इसे एक—एक मास (सभा) में ढालने की और बनाने की कोशिश की है, क्रिस मास, लेकिन हम सांता क्लॉस और क्रिसमस के पेड़ और—और सजावट को लेकर, उस तरह से नहीं आ रहे हैं। लेकिन हम प्रभु यीशु के नाम आ रहे हैं, स्वर्ग के परमेश्वर की आराधना करने के लिए, जो देहधारी हुआ था, हमारी तरह शरीर में, और हमारे बीच में रहा, हमें छुड़ाने के लिए; और नाम के लिए निंदा को सहना पड़ा, क्रूस की निंदा को

सहना पड़ा, एक सांसारिक व्यवस्था ने इम्मेनुएल को मृत्यु के लिए रख दिया, जिससे की वो हमारे लिए अनंत जीवन को ला सके।

304 हम कौन हैं, प्रभु? हम कौन हैं, कि हम किसी भी निंदा से बचे? परमेश्वर, हमें साहसी योद्धा बनाये। मैं इन शब्दों को आपको सौपता हूं, पिता। वे टूटे हुए हो सकते हैं; थके हुए और शिथिल जैसे मैं हूं। लेकिन पिता, यहाँ बैठकर और सुनने वालो इन लोगों को इनाम देना। और होने पाये वो सामर्थ जिसने हमारे प्रभु को लाया, और यहां हमारे लिए उद्धारकर्ता के लिए उसे प्रस्तुत किया, अंतिम दिनों में, होने पाये ये यहां पर हर एक आत्मा को जिलाये, प्रभु, प्रभु यीशु के आगमन की निकट होने के लिए। होने पाये ऐसा हो जाये, पिता।

305 हमारे बीच में बीमार और पीड़ितों को चंगा करे। टूटे हुए ह्रदयो को जोड़ दे। प्रभु, हम... हम इसमें से बहुत ज्यादा गुजर चुके हैं, मेरे ह्रदय में कठिन लड़ाई से, इस पर बहुत से जख्म के निशान हो चुके है, प्रभु। मैं एक पुराना अनुभवी योद्धा हूँ। प्रभु, मेरी सहायता करे। मुझे आपकी सहायता की आवश्यकता है। हो सकता है यह सारा प्रशिक्षण एक उद्देश्य के लिए दिया गया है। मैं भरोसा करता हूं इसे किया गया है, प्रभु। मेरी सहायता करना, हे परमेश्वर। और इस कलीसिया की सहायता करें। और एक साथ, हमें आशीष दे।

306 छोटे बच्चों को आशीष दीजिये। मैं आज बहुत से, छोटे, बेचारे, छोटे बच्चो के बारे में सोच रहा हूं उन्हें वहां कुछ भी प्राप्त नहीं होगा। और मैं—मैं प्रार्थना करता हूं कि आप उनके साथ रहेंगे और उनकी सहायता करेंगे। उन्हें अनंत जीवन देना, प्रभु। यही वो महान... यही वो क्रिसमस का उपहार है जिसे हम चाहते हैं, जो यीशु का जीवन है, ताकि मेरे ह्रदय में अधिकार और राज्य करे। यही है वो जो मैं चाहता हूं, प्रभु।

307 अब हमें एक साथ आशीष दीजिये। हम इन शब्दों को आपको सौपते हैं। उन आशीषो को उतरने दो, जहाँ कहीं भी वे इच्छा रखते है, प्रभु। जहां भी कभी वो ह्रदय खुलता है, होने पाये वे उद्धार के महान समय को आगे लेकर आये, यीशु के नाम में। आमीन।

308 कभी कौन... कितने उससे प्रेम करते हैं? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] किसी भी तरह, बहुत जल्दी में है? ओह, मैं उससे

प्रेम करता हूँ! मैं उससे प्रेम करता हूँ। "हे परमेश्वर, आप मुझसे क्या करवाना चाहेंगे? "

309 आज रात की सभाओ को मत भूलना। अब आप जानते हैं कि क्रिसमस का क्या अर्थ है? ओह, *यह* मेरा क्रिसमस का उपहार है। *यह* वही वचन है। प्रभु, यदि मैं खुद को केवल हटा सकता हूँ, यदि मैं खुद को रास्ते से बाहर कर सकता हूं, जिससे की आपका वचन इससे व्यक्त हो सकता है, वो स्वयं *यहां* इसमें से होकर बाहर आये, यही—यही वो सबसे महान चीज है, जो मैं जानता हूं।

310 अब मुझे लगता है कि उनके पास कुछ चीजें हैं जो वे बच्चों को देना चाहते हैं। अब मैं सभा को वापस भाई नेविल को दूंगा। परमेश्वर आपको आशीष दे।

भाई नेविल।

वचन के कारण निंदा को लेना HIN62-1223

(The Reproach For The Cause Of The Word)

यह सन्देश भाई विलियम मेरियन ब्रंहम के द्वारा मूल रूप से इंग्लिश में रविवार सुबह, 23 दिसम्बर, 1962 को ब्रन्हम टेबरनेकल, जेफरसनविले, इंडियाना, यु.एस.ए में प्रचारित किया गया। इसे चुम्बकीय टेप रिकॉर्डिंग से लिया गया है और इंग्लिश में विस्तृत छापा गया है। इस हिंदी अनुवाद को वोईस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग के द्वारा छापा गया और बाँटा गया है।

HINDI

©2018 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

कोपी राईट सूचना

सारे अधिकार सुरक्षित है। यह पुस्तक व्यक्तिगत प्रयोग या मुफ्त में देने और एक औजार के समान यीशु मसीह का सुसमाचार फैलाने के लिये
घर के प्रिंटर पर छाप सकते हैं।

इस पुस्तक को बेचना, अधिक मात्रा में फिर से छापना, वेब साईट पर डालना, दुबारा छापने के लिये सुरक्षित रखना, दूसरी भाषाओं में अनुवाद करना या धन प्राप्ति के लिये निवेदन करना निषेध है। जब तक की वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग कि लिखित अनुमति प्राप्त ना कर ली जाये।

अधिक जानकारी या दूसरी उपलब्ध सामग्री के लिये कृपया संपर्क करें:

वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग्स

पोस्ट बोक्स 950 जैफरसन विले, इन्डियाना 47131 यू. एस. ए.

www.branham.org